PRODUCT INDEX

INDEX

1. MARGDARSHIKA
2. THEORY NOTES
3. UNIT WISE MCQ
4. AMRIUT BOOKLET
5. PYQ
6. TREND ANALYSIS
7. TOPPERS TOOL KIT (TTK)
8. MODEL PAPER

CLICK HERE TO GET

sample Notes/
Expert Guidance/Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

GET BEST SELLER HARD COPY NOTES

PROFESSORS ADDA

CLICK HERE TO GET

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA 2025

One Stop Solution for NET / JRF / A. Professor / CUET

PROFESSORS ADDA मार्गदर्शिका बुकलेट
UPDATED 2025 संस्करण

मार्गदर्शिका बुकलेट यह क्या है,

क्यो पढ़े इसे ?

- यह UGC NET के विशाल और जटिल पाठ्यक्रम को सरल बनाने वाला एक सुनियोजित रोडमैप है। यह एक गुरु के द्वारा SUBJECT मे success मार्ग को दिखाने की तरह है। आपको किसी पर निर्भर होने की जरूरत नही है ।
- इसका मुख्य लक्ष्य "क्या पढ़ें, कहाँ से शुरू करें, और कितना गहरा पढ़ें" जैसे सवालों का स्पष्ट समाधान देना है। Focus पॉइंट्स को समझाया गया है
- यह आपकी तैयारी को छोटे (manageable) हिस्सों में बाँटकर एक व्यवस्थित दिशा देती है। आजकल परीक्षा का क्या नया ट्रेंड है, वह बताती है

यह किसके लिए है?

- UGC NET, PGT,Asst Professor) की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए उपयोगी है
- जो घर पर तैयारी कर रहे है, जो वर्किंग है, जिन्हे उचित Guidance नहीं मिल रहा है, जो वीडियो नही देखना चाहते है, उनके लिए बेहद उपयोगी है । उनके लिए One stop solution है

मुख्य विशेषताएँ और लाभ

- **लाभ :** विषय की महत्वपूर्ण अवधारणाओं, सिद्धांतों और उदाहरणों को स्पष्ट करती है।
- **समय की बचत:** आपको अनावश्यक जानकारी से बचाकर सही दिशा दिखाती है। 100% exam oriented है
- **संपूर्ण कवरेज:** सुनिश्चित करती है कि पाठ्यक्रम का कोई भी महत्वपूर्ण हिस्सा न छूटे।
- **आत्मविश्वास में वृद्धि:** एक स्पष्ट योजना होने से तैयारी को लेकर घबराहट कम होती है।

इसका सर्वोत्तम उपयोग कैसे करें?

- Most important को जरूर याद करे
- गाइड में दिए गए क्रम का पालन करें।
- प्रत्येक टॉपिक की बुनियादी बातों पर मज़बूत पकड़ बनाएं।
- पढ़ते समय ProfessorsAdda Booklets मे उन टॉपिक पर अवश्य फोकस करे
- विभिन्न अवधारणाओं के बीच संबंध स्थापित करने का प्रयास करें।
- गाइड को आधार बनाकर MCQ अभ्यास प्रश्न और पुराने प्रश्नपत्र हल करें। ProfessorsAdda MCQ + PYQ booklet मे यह सब दिया गया है जो की सम्पूर्ण, गुणवत्ता सहित updated है
- यह आपके व्यक्तिगत मार्गदर्शक (personal guide) की तरह काम करती है।

MARGDARSHIKA GUIDE

सामाज कार्य इकाई -1 का अध्ययन कैसे करें

सामाजिक कार्य की प्रकृति और विकास," सामाजिक कार्य के क्षेत्र का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करता है। इसे प्रभावी ढंग से पढ़ने और समझने के लिए प्रस्तुत ,आप इसे इसके मुख्य भागों में विभाजित कर सकते हैं , अवधारणाओं में गहराई से उतर सकते हैं।

1. परिचयसामाजिक कार्य का अर्थ और परिभाषा :

- सामाजिक कार्य को परिभाषित करने वाले शुरुआती पैराग्राफ से शुरुआत करें। समझें कि यह एक व्यापक और गतिशील अनुशासन हैजिसमें मानव , कल्याण को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई तरह कीगतिविधियाँ शामिल हैं। यह केवल अस्थायी सहायता प्रदान करने के बारे में नहीं हैबल्कि , समूह और सामाजिक मुद्दों को ,पारिवारिक ,इसमें जटिल व्यक्तिगत मिल हैं।तरीके और पद्धतियाँ शा-संबोधित करने के लिए विभिन्न तौर
- सुशील चंद्राद् (वेबस्टर डिक्शनरी , मूर्ति और राव ,वारा दी गई विभिन्न परिभाषाओं पर ध्यान दें । इन परिभाषाओं की तुलना करके देखें कि इनमें क्या समानताएं हैं और इनमें थोड़े अलगअलग महत्व हैं। उदाहरण के - कुछ कला और ,कुछ परिभाषाएँ पेशेवर सेवा पहलू पर जोर देती हैं ,लिए और कुछ सशक्तिकरण और स्वयं सहायता ,विज्ञान पर पर ध्यान केंद्रित करती हैं। यह तुलना आपको एक ही दृष्टिकोण से परे सामाजिक कार्य के

बारे में एक समृद्धबहुआयामी समझ प्रदान करेगी। ,

2. सामाजिक कार्य का दायरा

- सामाजिक कार्य अभ्यास की व्यापकता और पहुंच को समझने के लिए इस अनुभाग को पढ़ें। इसका दायरा व्यापक है क्योंकि मानवीय समस्याएं और कल्याण संबंधी ज़रूरतें विविध और हमेशा बदलती रहती हैं।
- उन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान दें जहाँ सामाजिक कार्य लागू होता हैजैसे , को आवश्यक सरकारी व्यक्तियों और परिवारों) सार्वजनिक सहायता (सहायता कार्यक्रमों तक पहुँचने में मदद करना, सामाजिक बीमा विकलांगता या सेवानिवृत्ति से संबंधित लाभों के साथ लोगों ,बेरोज़गारी) (की सहायता करना, विभिन्न समूहों के लिए कल्याण सेवाएँ ,बच्चों) विशिष्ट समुदायों के विकलांग लोगों और ,बुजुर्गों ,परिवारों ,महिलाओं (लिए अनुकूलित सहायता, और सुधारात्मक सेवाएँ प)ुनर्वास और पुनः एकीकरण का समर्थन करने के लिए न्याय प्रणाली के भीतर काम करना। (इन क्षेत्रों को समझना उन विविध संदर्भों को दर्शाता है जिनमें सामाजिक कार्यकर्ता काम करते हैं।
- सामाजिक कार्य की अवधारणा को समझें कि यह विज्ञान और कला दोनों है। यह एक विज्ञान है क्योंकि यह अनुसंधान और साक्ष्यआधारित - विधियों का उपयोग करके विभिन्न सामाजिक और जैविक विज्ञानों से ज्ञान के एक व्यवस्थित निकाय पर आधारित है। यह एक कला है क्योंकि र रिश्तों के निर्माण और अद्वितीय अंतर्ज्ञान औ ,इसमें रचनात्मकता व्यक्तिगत और सामुदायिक आवश्यकताओं के लिए हस्तक्षेप करने में पारस्परिक कौशल के कुशल अनुप्रयोग की आवश्यकता होती है। इसलिए

एक सामाजिक कार्यकर्ता को जिन कौशलों की आवश्यकता होती हैवे , संबंध निर्माण :ण हैंविश्लेषणात्मक और संबंधपरक क्षमताओं का मिश्र (विश्वास और तालमेल स्थापित करना), साक्षात्कार सूचना एकत्र करना) (और दृष्टिकोणों को समझना, रिपोर्ट लेखन मूल्यांकन और हस्तक्षेपों का) (दस्तावेजीकरण, निदान (समस्याओं के मूल कारणों की पहचान करना), और उपचार योजना लिए रणनीति विकसित हस्तक्षेप और परिवर्तन के) ।(करना

2. सामाजिक कार्य की प्रकृति

- यह खंड सामाजिक कार्य की मूल विशेषताओं और दार्शनिक आधारों पर गहराई से चर्चा करता है।
- सामाजिक कार्यकर्ता और ग्राहक के बीच संबंधों के महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान दें। यह संबंध आधारभूत है और आपसी सम्मान और विश्वास पर आधारित है। आत्मग्राहक की सकारात्मक ब) सुधार के लिए प्रेरणा-दलाव के लिए अंतर्निहित इच्छा और क्षमता को पहचानना(, मदद स्वीकार करने की तत्परता यह स्वीकार करना कि प्रभावी मदद के लिए ग्राहक) (की सहभागिता की इच्छा की आवश्यकता होती है, आत्मग्राहक) निर्णय-भले ही वे ,अपने स्वयं के विकल्प बनाने के अधिकार का सम्मान करना के स◌ामाजिक कार्यकर्ता की राय से अलग हों(, सहानुभूति दूसरों की) भावनाओं को समझने और उनसे अभिभूत हुए बिना उन्हें साझा करने की (क्षमता, और स्वीकृति ग्राहक के व्यवहार या परिस्थितियों की परवाह) । ये तत्व एक (बिना किसी निर्णय के उनसे संपर्क करना ,नाकिए बि सहायक और सशक्त सहायता प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

- समाज सेवा और समाज कार्य के बीच अंतर को समझें। जबकि समाज सेवा में अक्सर सामान्य सहायता या संसाधन प्रदान करना शामिल होता है ,सामने बातचीत-कार्य एक पेशेवर गतिविधि है जिसमें आमने समाज , मूल्यांकन और हस्तक्षेप की एक व्यवस्थित प्रक्रिया और अंतर्निहित मनोसामाजिक मुद्दों को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जो किसी व्यक्ति की कठिनाइयों में योगदान करते हैं। क्लाइंट के साथ सीधा जुड़ाव पेशेवर सामाजिक कार्य अभ्यास की एक परिभाषित विशेषता है।
-

4. सामाजिक कार्य के सिद्धांत

- यह एक महत्वपूर्ण खंड है जो नैतिक और प्रभावी सामाजिक कार्य अभ्यास को सूचित करने वाले मौलिक मार्गदर्शक सिद्धांतों को रेखांकित करता है। पेशेवर अखंडता बनाए रखने और ग्राहकों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए इन सिद्धांतों का पालन करना आवश्यक है।
- प्रत्येक सिद्धांत को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें:
  - **स्वीकृति का सिद्धांत :**इसका मतलब है कि क्लाइंट को वैसे ही स्वीकार करना जैसे वे हैंबिना ,उनकी सभी खूबियों और सीमाओं के साथ , किसी निंदा या शत्रुता के। इसमें उनकी वास्तविकता को स्वीकार करना और उनके निहित मूल्यऔर गरिमा के सम्मान के आधार पर संबंध बनाना शामिल है।
  - **वैयक्तिकरण का सिद्धांत :**यह पहचानना कि प्रत्येक ग्राहक अद्वितीय है और उनकी समस्याएँ उनकी परिस्थितियों के लिए विशिष्ट हैं। सामाजिक कार्यकर्ता रूढ़िवादिता से बचते हैं और व्यक्ति की विशेष

आवश्यकताओंशक्तियो ,ं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के अनुसार अपना दृष्टिकोण तैयार करते हैं।

- **संचार का सिद्धांत :**स्पष्टखुले और सहानुभूतिपूर्ण संचार के महत्व पर , मौखिक -मौखिक और गैर ,सुनने जोर देना। सामाजिक कार्यकर्ता को संकेतों को समझने और क्लाइंट के लिए अपने विचारों और भावनाओं को स◌्वतंत्र रूप से व्यक्त करने के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाने में कुशल होना चाहिए। प्रभावी संचार सहायता संबंध का आधार है।
- **गोपनीयता का सिद्धांत :**क्लाइंट की गोपनीयता और उनके द्वारा साझा की जाने वाली जानकारी की सुरक्षा करना। इससे विश्वास बढ़ता है और यह सुनिश्चित होता है कि संवेदनशील विवरण केवल क्लाइंट की सहमति से या कानूनी रूप से अनिवार्य होने पर ही साझा किए जाएँ ।(खुद को या दूसरों को नुकसान पहुँचाने के मामले में ,जैसे)
- **आत्म :निर्णय का सिद्धांत-**क्लाइंट के अपने निर्णय लेने के अधिकार को कायम रखना। सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका क्लाइंट को जानकारी प्रदान करकेतथा समाधान थोपने के बजाय ,विकल्पों की खोज करके , उनके मूल्यों और लक्ष्यों के साथ संरेखित मार्ग चुनने में सहायता करके शक्त बनाना है।उन्हें स
- **गैर :निर्णयात्मक दृष्टिकोण का सिद्धांत-**बिना किसी पूर्वधारणा , पूर्वाग्रह यानैतिक मूल्यांकन के क्लाइंट से संपर्क करना। इससे क्लाइंट की स्थिति को अधिक वस्तुनिष्ठ तरीके से समझने में मदद मिलती है और ऐसा माहौल बनता है जहाँ क्लाइंट खुला और ईमानदार होने में सुरक्षित महसूस करता है।
- **नियंत्रित भावनात्मक भागीदारी का सिद्धांत :**सहानुभूति रखते हुए भी पेशेवर सीमा बनाए रखना। सामाजिक कार्यकर्ता क्लाइंट की

भावनाओं से जुड़ते हैं लेकिन भावनात्मक रूप से अत्यधिक उलझने से बचते हैंको ख़राब कर जो उनकी निष्पक्षता और प्रभावशीलता , सकता है। यह पेशेवर दूरी के साथ करुणा को संतुलित करने के बारे में है।

5. सामाजिक कार्य का वैज्ञानिक आधार

- सामाजिक कार्य के ज्ञान आधार के बारे में जानेंध्यान रखें कि यह , सामाजिक) विषयक है। यह समाजशास्त्र-स्वाभाविक रूप से बहु (असमानताओं को समझना समूहों और ,संरचनाओं, मनोविज्ञान (अनुभूति और भावनाओं को समझना ,व्यक्तिगत व्यवहार), नृविज्ञान (संस्कृति और मानव विविधता को समझना), अर्थशास्त्र संसाधन आवंटन) (और गरीबी को समझना, जीवविज्ञान मानव स्वास्थ्य और विकास को) (समझना, मनोरोग विज्ञान (स्थितियों को समझना मानसिक स्वास्थ्य), कानून (कानूनी अधिकारों और प्रणालियों को समझना), और चिकित्सा स्वा)स्थ्य और बीमारी को समझनाजैसे क्षेत्रों से महत्वपूर्ण रूप से (आकर्षित होता है।
- सामाजिक कार्य अभ्यास में योगदान देने वाले तीन प्रकार के ज्ञान को समझेंसंधान के माध्यम से अनुभवजन्य रूप से अनु) परीक्षित ज्ञान : (मान्य, काल्पनिक ज्ञान विचार या सिद्धांत जिन्हें)आगे परीक्षण की आवश्यकता होती है(, और अनुमानित ज्ञान अभ्यास के माध्यम से प्राप्त) । सामाजिक कार्यकर्ता अपनी समझ और (व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव ज्ञान के इन विभिन्न रूपों को एकीकृत हस्तक्षेप को सूचित करने के लिए करते हैं।

Professors Adda

PAID STUDENTS' BENEFITS

- Access to PYQs of the last 1 year
- Entry into Quiz Group + Premium Materials
- 20% Discount on Future Purchases / For Referring a Friend
- Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your *Fee Receipt* or Payment Screenshot for activation.

Call/Whapp 76900-22111, 9216228788

PROFESSORS ADDA 2025

One Stop Solution for NET / JRF / A. Professor / CUET

All Subject's Complete Study Material KIT available.

Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

सामाज कार्य इकाई -1

समाज कार्यः प्रकृति एवं विकास

समाज कार्य की प्रकृति मूलतः समाज कल्याण और सामाजिक सेवाओं के ताने-बाने से बुनी हुई है, जिसका परम उद्देश्य व्यक्ति, परिवार एवं सम्पूर्ण समाज के जीवनस्तर में गुणात्मक सुधार लाना एवं उसे ऊँचा उठाना है। यह केवल तात्कालिक सहायता तक सीमित नहीं, बल्कि दीर्घकालिक सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रयास है।

समाज कार्य

समाज कार्य एक व्यवस्थित एवं गतिशील सामाजिक विज्ञान है जो अपनी जड़ों को मानवतावादी दर्शन की गहराइयों में पाता है, वैज्ञानिक ज्ञान की

ठोस भूमि पर खड़ा होता है, और प्राविधिक निपुणताओं के प्रभावी उपकरणों का उपयोग करता है। इसका केन्द्रीय उद्देश्य व्यक्तियों, विभिन्न समूहों और व्यापक समुदायों को एक अधिक सुखी, संतुष्ट एवं सम्पूर्ण जीवन व्यतीत करने की दिशा में सक्रिय सहायता प्रदान करना है, साथ ही उनकी अन्तर्निहित क्षमताओं को उजागर कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और सामाजिक समस्याओं का वैज्ञानिक विश्लेषण कर उनके स्थायी समाधान द्वारा समग्र कल्याण में सतत वृद्धि करना है। यह समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र तथा अन्य प्रासंगिक मानविकी एवं व्यवहार विज्ञानों से प्राप्त ज्ञान और सिद्धांतों का व्यावहारिक अनुप्रयोग करते हुए जटिल सामाजिक समस्याओं का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करने का एक अनूठा प्रयास है।

- **विभिन्न विद्वानों द्वारा सामाजिक कार्य की परिभाषाएँ**

विद्वान का नाम	उनकी परिभाषा के मुख्य पहलू
एंडरसन	व्यक्तियों या समूहों को समुदाय के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए संतोषजनक संबंध और जीवन स्तर प्राप्त करने में सहायता करने के लिए एक व्यावसायिक सेवा।
स्ट्रूप	स्वयं की सहायता करने के लिए वैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग करके व्यक्तिगत, समूह और सामुदायिक आवश्यकताओं पर विभिन्न संसाधनों को लागू करने की कला ।

सुशील चंद्रा	सामाजिक नीति को लागू करने, जीवन स्तर को ऊपर उठाने तथा सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक कल्याण लाने के लिए सार्वजनिक या निजी प्रयास द्वारा की जाने वाली एक गतिशील गतिविधि।
मूर्ति और राव	किसी भी विकलांगता (मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक या नैतिक) से पीड़ित किसी भी व्यक्ति या समूह को सहायता प्रदान की जाती है, ताकि वे स्वयं की सहायता कर सकें।
वेबस्टर शब्दकोष	सामाजिक सेवाएं प्रदान करने से संबंधित व्यावसायिक गतिविधियां, विशेष रूप से वंचित लोगों के लिए जांच, उपचार और भौतिक सहायता।

समाज कार्य की परिभाषाएँ

विभिन्न विद्वानों द्वारा प्रस्तुत परिभाषाओं के आलोक में, समाज कार्य को ऐच्छिक, सुविचारित एवं संगठित प्रयासों का एक ऐसा संयोजन माना जा सकता है जो सामाजिक सम्बन्धों की जटिलताओं से उत्पन्न होने वाली विभिन्न आवश्यकताओं की वैज्ञानिक ज्ञान और विधियों के प्रयोग द्वारा पूर्ति करता है (ऐलिस चेनी)। इसका एक प्रमुख कार्य उन व्यक्तियों की सहायता

करना है जो किसी संगठित समूह द्वारा प्रदत्त सेवाओं का लाभ उठाने में या एक संगठित समूह के सदस्य के रूप में अपनी भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने में विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों या बाधाओं का अनुभव करते हैं (विद्मर)। यह व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों को उन वर्तमान या भविष्य में संभावित सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक अड़चनों और चुनौतियों से कुशलतापूर्वक निपटने में सहायता प्रदान करता है जो उन्हें समाज में पूर्ण और प्रभावशाली रूप से अपनी भूमिका निभाने से रोकती हैं या बाधित करती हैं (फ्रिंक)।

लेन क्लार्क ने समाज कार्य के ऐतिहासिक विकास को समझने हेतु इसे तीन प्रमुख युगों में वर्गीकृत किया है, जो इसके बदलते स्वरूप और दर्शन को दर्शाते हैं:

- **प्राचीनकाल:** इस युग में सहायता का स्वरूप मुख्यतः धार्मिक कर्तव्य, नैतिक दायित्व और मानवीय दया-सहानुभूति की भावनाओं से प्रेरित था। दान, परोपकार और सेवा को पुण्य का कार्य माना जाता था।
- **मध्यकाल (18वीं शताब्दी):** इस काल में ज्ञानोदय और मानवतावादी विचारों के उदय के साथ सेवा की प्रेरणा का आधार धर्म और दया के साथ-साथ तर्क और मानव कल्याण की भावना भी बनने लगी। संगठित प्रयासों की शुरुआत हुई।
- **आधुनिककाल:** इस युग में समाज कार्य ने एक व्यवस्थित, वैज्ञानिक और व्यावसायिक सेवा के रूप में स्वयं को स्थापित किया। इसमें प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं, विशिष्ट प्रणालियों और नैतिक संहिताओं का विकास हुआ।

समाज कार्य की प्रकृति

समाज कार्य की प्रकृति बहुआयामी है, जिसमें वैज्ञानिकता और मानवतावाद का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। यह वैज्ञानिक है क्योंकि इसमें समस्याओं के विश्लेषण, हस्तक्षेप की योजना और मूल्यांकन के लिए वैज्ञानिक ज्ञान, शोध और क्रमबद्ध पद्धतियों का व्यवस्थित प्रयोग किया जाता है। इसकी जड़ें गहरे वैज्ञानिक मानवतावाद में निहित हैं, जो मानव की गरिमा, क्षमता और विकास की संभावनाओं में अटूट विश्वास रखता है। यह कुछ निश्चित आधारभूत मूल्यों पर आधारित है, जिन्हें संगठित रूप में समाज कार्य का दर्शन कहा जाता है। इसमें व्यक्ति की अन्तर्निहित प्रतिष्ठा और

अद्वितीय योग्यता में विश्वास केन्द्रीय है; व्यक्ति इसलिए सम्मान योग्य है क्योंकि वह मानव है, न कि उसकी सामाजिक या आर्थिक स्थिति के कारण। यह किसी भी प्रकार की जाति, रंग, प्रजाति, लिंग, धर्म या किसी अन्य आधार पर किए जाने वाले भेदभाव का पुरजोर विरोध करता है तथा सामाजिक डार्विनवाद (Social Darwinism) और 'सर्वाधिक योग्य के ही जीवित रहने' (Survival of the Fittest) के सिद्धान्त को अस्वीकार करता है, क्योंकि इसका मूलमंत्र समावेशिता और प्रत्येक व्यक्ति का कल्याण है।

समाज कार्य का विषय-क्षेत्र

समाज कार्य का विषय-क्षेत्र अत्यंत व्यापक एवं गतिशील है, जो मानव जीवन के लगभग प्रत्येक पहलू को स्पर्श करता है। यह व्यक्ति तथा समाज की उन अनगिनत समस्याओं के निदान, प्रभावी समाधान और भविष्योन्मुखी सकारात्मक परिवर्तन पर केंद्रित है जो उनके स्वस्थ विकास और कल्याण में बाधक बनती हैं। यह मानवता की एक सार्वभौमिक और व्यापक भावना पर आधारित है, जिसमें धर्म, जाति, वर्ग, लिंग, राष्ट्रीयता तथा प्रजाति जैसी कृत्रिम सीमाओं के लिए कोई स्थान नहीं है। इसकी कार्य-पद्धति एक ओर जहाँ सम्पन्न और तथाकथित रूप से सन्तुष्ट व्यक्तियों की सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक और सम्बन्धमूलक समस्याओं को हल करने का प्रयास करती है, वहीं दूसरी ओर इसके द्वारा समाज के सबसे कमजोर, उपेक्षित, दुःखी, शोषित व विकलांग व्यक्तियों को ठोस सहायता और संबल प्रदान किया जाता है। इन व्यापक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए समाज कार्य का उपयोग सामाजिक जीवन के विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किया जाता है।

इसके प्रमुख विषय-क्षेत्रों में निम्नलिखित पहलू विशेष रूप से सम्मिलित किए जाते हैं:

- **बाल विकास:** बच्चों के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक कल्याण को सुनिश्चित करना, बाल श्रम, बाल विवाह और बाल शोषण जैसी समस्याओं का निराकरण।
- **महिला सशक्तिकरण:** महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में समान अवसर दिलाना, लिंग आधारित हिंसा का विरोध।
- **युवा कल्याण:** युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना, उन्हें शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान करना।
- **वृद्धों का कल्याण:** वृद्धजनों की स्वास्थ्य, आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना, उनके अकेलेपन और उपेक्षा की समस्याओं का समाधान।
- **श्रम कल्याण:** श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा, उचित कार्यदशाएँ, सामाजिक सुरक्षा और उनके परिवारों का कल्याण।
- **अनुसूचित जाति/जनजाति/पिछड़ा वर्ग कल्याण:** इन समुदायों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक उत्थान के लिए विशेष प्रयास, भेदभाव का उन्मूलन।
- **चिकित्सीय एवं मनो-चिकित्सीय समाज कार्य:** रोगियों और उनके परिवारों को बीमारी से उत्पन्न मनोवैज्ञानिक और सामाजिक समस्याओं से निपटने में सहायता।
- **ग्रामीण विकास:** ग्रामीण समुदायों में आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं का विकास।
- **सामाजिक प्रतिरक्षा एवं अपराधी सुधार:** अपराध की रोकथाम,

अपराधियों का पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्यधारा में पुनः स्थापित करना।

- **सामाजिक सुरक्षा:** बेरोजगारी, बीमारी, वृद्धावस्था, विकलांगता आदि आकस्मिकताओं में व्यक्तियों को आर्थिक और सामाजिक सहायता प्रदान करना।
- **सामाजिक नीतियाँ, नियोजन व विकास:** जनकल्याणकारी नीतियों के निर्माण, उनके प्रभावी कार्यान्वयन और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में योगदान।
- **कानूनी सहायता:** कमजोर और वंचित वर्गों को न्याय सुलभ कराना।
- **पर्यावरण संतुलन:** पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना।
- **मानवाधिकार संरक्षण और सामाजिक न्याय:** सभी व्यक्तियों के मानवाधिकारों की रक्षा और समाज में न्यायपूर्ण व्यवस्था की स्थापना।

समाज कार्य के मूल्य/सिद्धान्त

समाज कार्य का अभ्यास कुछ आधारभूत और सार्वभौमिक मूल्यों एवं सिद्धान्तों पर टिका होता है, जो सामाजिक कार्यकर्ता के व्यवहार और निर्णयों को दिशा निर्देशित करते हैं। ये मूल्य सामाजिक कार्य के दर्शन का मूल तत्व हैं:

- **प्रत्येक व्यक्ति की योग्यता, गरिमा और आत्म-सम्मान का आदर:** यह सबसे केन्द्रीय मूल्य है, जिसका अर्थ है प्रत्येक व्यक्ति को, उसकी पृष्ठभूमि या व्यवहार की परवाह किए बिना, सम्मान और महत्व देना।
- **आत्म-निर्णय और क्षमताओं के पूर्ण विकास का अधिकार:** व्यक्तियों को

अपने जीवन के बारे में निर्णय लेने और अपनी क्षमताओं का अधिकतम विकास करने का अधिकार है, सामाजिक कार्यकर्ता इसमें सहायक की भूमिका निभाता है।

- **मौलिक मानवीय आवश्यकताओं की सन्तुष्टि और समान अवसर:** प्रत्येक व्यक्ति को भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति और विकास के लिए समान अवसर प्राप्त होने चाहिए।
- **सामाजिक न्याय, समानता और संसाधनों का न्यायोचित पुनर्वितरण:** समाज कार्य अन्याय, असमानता और शोषण का विरोध करता है तथा संसाधनों के अधिक न्यायपूर्ण वितरण की वकालत करता है।
- **मतभेदों के प्रति सहनशीलता और रचनात्मक सामाजिक सहयोग:** विभिन्न विचारों, संस्कृतियों और जीवनशैलियों का सम्मान करना तथा सहयोग और सामंजस्य को बढ़ावा देना।
- **अनिर्णयात्मक मनोवृत्ति और गोपनीयता:** सेवार्थी की बातों को बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनना और उसकी व्यक्तिगत जानकारी को गोपनीय रखना, जिससे विश्वास का निर्माण हो सके।
- **स्वावलम्बन और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन:** व्यक्तियों और समुदायों को अपनी समस्याओं का समाधान स्वयं करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए सशक्त बनाना।
- **व्यावसायिक उत्तरदायित्व और आचार संहिता का पालन:** सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने ज्ञान, कौशल और मूल्यों का उपयोग व्यावसायिक नैतिकता और आचार संहिता के अनुरूप करें।

समाज कार्य के लक्ष्य

समाज कार्य के लक्ष्य व्यापक और बहुस्तरीय होते हैं, जिनका अंतिम उद्देश्य व्यक्ति और समाज दोनों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है। ये लक्ष्य परस्पर जुड़े हुए हैं और एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं:

- **सामाजिक विकारों का निराकरण और समस्याओं का प्रभावी समाधान:** गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, बीमारी, भेदभाव जैसी सामाजिक समस्याओं की पहचान करना, उनके कारणों का विश्लेषण करना और उनके समाधान के लिए रणनीतियाँ विकसित करना।
- **व्यक्तियों की आर्थिक, शारीरिक और सामाजिक संवृद्धि:** लोगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना, उनके स्वास्थ्य स्तर में सुधार करना और उनके सामाजिक सम्बन्धों को मजबूत और संतोषजनक बनाना।
- **व्यक्तियों का समाज के संस्थागत ढाँचे के साथ प्रभावी समायोजन:** व्यक्तियों को समाज की संस्थाओं, नियमों और अपेक्षाओं के साथ

तालमेल बिठाने में मदद करना, साथ ही संस्थागत ढाँचे को अधिक मानवीय और उत्तरदायी बनाना।

- **ज़रूरतमंद व्यक्तियों की सक्रिय सहायता करना और समग्र कल्याण सुनिश्चित करना:** जो लोग गंभीर आर्थिक संकट, सामाजिक उपेक्षा, मानसिक तनाव या अन्य कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, उन्हें आवश्यक सहायता, मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध कराना।
- **सामाजिक सहयोग बढ़ाना और लोगों को सामाजिक वास्तविकता के प्रति जागरूक करना:** सामुदायिक भावना, आपसी सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देना तथा लोगों को उनके अधिकारों, कर्तव्यों और समाज की वास्तविकताओं के बारे में शिक्षित करना।
- **पारिवारिक, दाम्पत्य और आपसी सम्बन्धों की जटिल समस्याओं का समाधान:** परिवारों में सामंजस्य स्थापित करना, पति-पत्नी के बीच स्वस्थ सम्बन्धों को बढ़ावा देना और व्यक्तियों के पारस्परिक सम्बन्धों में आने वाली कठिनाइयों को दूर करना।
- **व्यक्ति की कार्यक्षमता की पुनर्स्थापना और पुनर्वास:** बीमारी, दुर्घटना, व्यसन या किसी अन्य कारण से यदि व्यक्ति की कार्यक्षमता प्रभावित हुई है, तो उसे पुनः सामान्य जीवन में लौटने और उत्पादक भूमिका निभाने में मदद करना।
- **संक्षेप में, व्यक्ति व समाज की बहुआयामी प्रगति को प्रशस्त करना:** यह सुनिश्चित करना कि विकास केवल आर्थिक न हो, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक और नैतिक आयामों को भी समाहित करे, जिससे एक न्यायपूर्ण, समतामूलक और प्रगतिशील समाज का निर्माण हो सके।

- सामाजिक कार्य के सिद्धांत

सिद्धांत का नाम	संक्षिप्त विवरण/मूल विचार
स्वीकृति का सिद्धांत	व्यक्ति को उसकी सभी सीमाओं के साथ, बिना किसी निंदा या शत्रुता के स्वीकार करना तथा उसके साथ संबंध स्थापित करना।
वैयक्तिकरण का सिद्धांत	प्रत्येक व्यक्ति की विशिष्टता में विश्वास करना तथा प्रत्येक ग्राहक की समस्या को विशिष्ट मानना।
संचार का सिद्धांत	संचार को समझने का कौशल होना; ग्राहक को विचार, भावनाएं और तथ्य व्यक्त करने में सहज महसूस कराना।
गोपनीयता का सिद्धांत	ग्राहक की गोपनीय जानकारी को गुप्त रखना तथा ग्राहक की सहमति से ही दूसरों से परामर्श करना।
आत्मनिर्णय का सिद्धांत	कार्यकर्ता के मार्गदर्शन में, ग्राहक के लिए क्या उचित है, यह निर्णय लेने के अधिकार तथा उसे प्राप्त करने के साधनों पर बल देना।
गैर-निर्णयात्मक दृष्टिकोण का सिद्धांत	बिना किसी पूर्वाग्रह के व्यावसायिक संबंध की शुरुआत करना, ग्राहक के बारे में पूर्वधारणा न बनाना।

नियंत्रित भावनात्मक सहभागिता का सिद्धांत	सहानुभूति व्यक्त करते समय उचित भावनात्मक दूरी बनाए रखना, अति-संलिप्तता या अत्यधिक वस्तुनिष्ठता से बचना।

समाज कार्य की प्रक्रिया

समाज कार्य एक गतिशील और व्यवस्थित प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत अपनी विशिष्ट कार्यप्रणालियों और तकनीकों के माध्यम से न केवल व्यक्तिगत समस्याओं का गहन विश्लेषण और समाधान किया जाता है, बल्कि विभिन्न प्रकार की सामाजिक सेवाओं का प्रभावी आयोजन करके व्यापक सामाजिक समस्याओं को दूर करने के साथ-ही-साथ लोगों की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति करने का भी महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। यह मूलतः एक सहायतामूलक सेवा है, जिसका प्राथमिक सरोकार ऐसे व्यक्तियों, समूहों और समुदायों की सहायता करने से है, जिन्हें अपने जीवन की चुनौतियों का सामना करने और अपनी क्षमताओं का विकास करने के लिए बाहरी सहायता की आवश्यकता है। इसकी प्रक्रियाएँ मुख्यतः दो प्रकार की होती हैं, जो प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से समस्याग्रस्त लोगों की सहायता करती हैं:

- **प्रत्यक्ष प्रक्रियाएँ (Direct Methods):** ये वे विधियाँ हैं जिनमें सामाजिक कार्यकर्ता सीधे सेवार्थी (व्यक्ति, समूह या समुदाय) के साथ अंतःक्रिया करता है। इनमें प्रमुख हैं:
  - **व्यक्तिगत सेवाकार्य (Social Casework):** एक-एक व्यक्ति की विशिष्ट समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए उसे मनो-सामाजिक सहायता प्रदान करना।

- **सामूहिक सेवाकार्य (Social Group Work):** समूह के माध्यम से व्यक्तियों की सहायता करना, जहाँ समूह के सदस्य एक-दूसरे से सीखते और सहयोग करते हैं।
- **सामुदायिक संगठन (Community Organization):** सम्पूर्ण समुदाय की आवश्यकताओं और समस्याओं की पहचान कर, सामुदायिक संसाधनों को जुटाकर और सामूहिक प्रयासों द्वारा उनका समाधान करना।

- **अप्रत्यक्ष प्रक्रियाएँ (Indirect Methods):** ये वे विधियाँ हैं जो सीधे सेवार्थी के साथ अंतःक्रिया नहीं करतीं, बल्कि ऐसी व्यवस्थाएँ और नीतियाँ बनाने पर जोर देती हैं जिनसे सेवार्थियों को लाभ पहुँच सके। इनमें प्रमुख हैं:
  - **समाज कल्याण प्रशासन (Social Welfare Administration):** सामाजिक सेवाओं और कार्यक्रमों का कुशल प्रबंधन और संचालन सुनिश्चित करना।
  - **समाज कार्य शोध (Social Work Research):** समाज कार्य के ज्ञान, प्रणालियों और हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता का वैज्ञानिक अध्ययन करना तथा नई जानकारियाँ विकसित करना।
  - **सामाजिक क्रिया (Social Action):** व्यापक सामाजिक परिवर्तन लाने, अन्यायपूर्ण नीतियों और प्रथाओं को चुनौती देने तथा जन-जागरूकता और जन-आन्दोलन के माध्यम से सामाजिक न्याय स्थापित करने का प्रयास करना।

डुबॉइस और माइली , 2008 के अनुसार)

लक्ष्य श्रेणी	लक्ष्य का विवरण
अधिकारिता	लोगों को अपनी समस्या-समाधान और सामना करने की क्षमताओं का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए सशक्त बनाना।
रोकथाम	समस्याओं को रोकने के लिए सक्रिय सामाजिक और आर्थिक नीति विकास का समर्थन करें।
व्यावसायिक अखंडता	सामाजिक कार्य के सभी पहलुओं में पेशे की अखंडता को बनाए रखें।
संसाधनों के साथ जुड़ाव	सामाजिक कार्यप्रणाली को आगे बढ़ाने तथा जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए लोगों और सामाजिक संसाधनों के बीच संबंध स्थापित करना।
नेटवर्क विकास	संस्थागत संसाधन प्रणाली के भीतर सहकारी नेटवर्क विकसित करना।
सिस्टम प्रतिक्रियाशीलता	स्वास्थ्य और मानव सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संस्थागत संसाधन प्रणालियों की प्रतिक्रियाशीलता को सुगम बनाना।
सामाजिक न्याय और समानता	समाज में पूर्ण भागीदारी के संबंध में सभी लोगों के लिए सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देना।
ज्ञान विकास	अनुसंधान और मूल्यांकन के माध्यम से सामाजिक कार्य पेशे के लिए ज्ञान के

	विकास में योगदान देना।
सूचना विनिमय एवं विविधता सराहना	सूचना के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करें; विविधता और जातीय रूप से संवेदनशील व्यवहार की सराहना के माध्यम से संचार को बढ़ाएं।
शिक्षा के माध्यम से रोकथाम और समाधान	समस्याओं की रोकथाम और समाधान के लिए शैक्षिक रणनीति अपनाएं।
वैश्विक परिप्रेक्ष्य	मानवीय मुद्दों और समस्याओं के समाधान के बारे में विश्वदृष्टिकोण अपनाएं।

4. सामाजिक कार्य के तरीके

विधि का नाम	प्रकार (प्रत्यक्ष/सहायक)	संक्षिप्त विवरण
सामाजिक केसवर्क	प्रत्यक्ष	व्यक्तिगत समस्याओं से निपटना; इसमें सूचना एकत्र करना, निदान, उपचार योजना बनाना, तथा ग्राहक की धारणा और दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना शामिल है।
सामाजिक समूह कार्य	प्रत्यक्ष	समूह अनुभव के माध्यम से व्यक्तियों को संबंधों और सामाजिक कार्यप्रणाली में सुधार करने में सहायता करता है; समूह गतिशीलता के अंतर्गत व्यक्तित्व विकास पर ध्यान

		केंद्रित करता है।
सामुदायिक संगठन	प्रत्यक्ष	समस्याओं की पहचान, संसाधनों की खोज, तथा समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामाजिक संबंधों को विकसित करके समुदाय में संबंधों को बेहतर बनाने की एक प्रक्रिया।
समाज कल्याण प्रशासन	सहायक	सामाजिक कार्य सेवाओं (निजी और सार्वजनिक) का आयोजन और प्रशासन; इसमें कार्यक्रम विकास, संसाधन जुटाना, कार्मिक प्रबंधन, वित्तपोषण और मूल्यांकन शामिल हैं।
सामाजिक कार्य अनुसंधान	सहायक	नए तथ्य खोजने, परिकल्पनाओं का परीक्षण करने, सिद्धांतों को सत्यापित करने तथा सामाजिक कार्य से संबंधित समस्याओं के कारण-कार्य संबंधों की खोज करने के लिए व्यवस्थित जांच।
सामाजिक कार्य	सहायक	इसका उद्देश्य सामाजिक प्रगति के लिए वांछनीय परिवर्तन लाना है; इसमें

		जागरूकता पैदा करना, संसाधन जुटाना, अवांछनीय प्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना और कानून बनाना शामिल है।

5. एलिज़ाबेथन गरीब कानून (1601) श्रेणियों की तुलना

गरीबों की श्रेणी	प्रावधान/उपचार
सक्षम शरीर वाले गरीब	उन्हें "तगड़े भिखारी" कहा जाता था; उन्हें सुधार गृह या कार्यशाला में काम करने के लिए मजबूर किया जाता था। इनकार करने पर उन्हें बेड़ी या जेल की सज़ा दी जाती थी।
नपुंसक गरीब	काम करने में असमर्थ लोगों (बीमार, वृद्ध, अंधे, मूक-बधिर, लंगड़े, विक्षिप्त, छोटे बच्चों वाली माताएं) को भिक्षागृहों में रखा जाता है या "बाहरी राहत" दी जाती है।
आश्रित बच्चे	अनाथ या परित्यक्त बच्चे जिनके माता-पिता उनका भरण-पोषण नहीं कर सकते थे; 8 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को किसी नगरवासी के पास बंधक बनाकर रखा जाता था।

. भारत के प्रमुख समाज सुधारक और उनका योगदान

सुधारक का नाम	प्रमुख योगदान/स्थापित संगठन	प्रभाव अवधि (लगभग)
राजा राममोहन राय	भारतीय पुनर्जागरण के जनक, ब्रह्मो सभा (बाद में ब्रह्मो समाज) ने सती प्रथा के खिलाफ अभियान चलाया।	19वीं सदी की शुरुआत
हेनरी लुईस विवियन डेरोज़ियो	युवा बंगाल आंदोलन के नेता, स्वतंत्र सोच, तर्कसंगतता, महिला अधिकार और शिक्षा को बढ़ावा दिया।	19वीं सदी की शुरुआत
सैयद अहमद खान	अलीगढ़ आंदोलन, साइंटिफिक सोसाइटी, मोहम्मडन ओरिएंटल कॉलेज (बाद में एएमयू) ने पश्चिमी शिक्षा की वकालत की।	19वीं सदी के मध्य से अंत तक
ईश्वर चंद्र विद्यासागर	संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य ने विधवा पुनर्विवाह (जिसके कारण इसे वैधानिक मान्यता मिली) तथा महिला शिक्षा की वकालत की।	19वीं शताब्दी के मध्य
दयानंद सरस्वती	आर्या के संस्थापक समाज ,	19वीं सदी के मध्य से अंत

	"वेदों की ओर वापस जाओ", जातिगत कठोरता, बाल विवाह का विरोध, शुद्धि आंदोलन।	तक
ज्योतिबा फुले	सत्य शोधक समाज , उच्च जाति के वर्चस्व के खिलाफ आंदोलन, लड़कियों का स्कूल, महाराष्ट्र में विधवा पुनर्विवाह।	19वीं सदी के मध्य से अंत तक
नवाब अब्दुल लतीफ़	मुहम्मदन लिटरेरी सोसाइटी ने आधुनिक शिक्षा का प्रसार किया, हिंदू-मुस्लिम एकता को बढ़ावा दिया।	19वीं शताब्दी के मध्य
रामकृष्ण परमहंस	शिक्षाओं ने रामकृष्ण आंदोलन का आधार बनाया, काली मंदिर में पुजारी।	19वीं सदी के मध्य से अंत तक
पंडिता रमाबाई	आर्य महिला सभा , सरदा निराश्रित विधवाओं के लिए सदन , महिला शिक्षा और अधिकारों की वकालत की।	19वीं सदी का अंत
बेहरामजी एम मालाबारी	सेवा सदन (शोषित महिलाओं की देखभाल), पारसी समाज सुधारक।	19वीं सदी का अंत
स्वामी विवेकानंद	रामकृष्ण मिशन की	19वीं सदी के अंत से

	स्थापना की, नव-हिंदू धर्म के प्रचारक, सामाजिक कार्य और मानवीय मूल्यों पर जोर दिया।	20वीं सदी के प्रारंभ तक
गोपाल कृष्ण गोखले	सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी, कांग्रेस के उदारवादी नेता।	20 वीं सदी के प्रारंभ में
सरोजिनी नायडू	कवयित्री, सामाजिक कार्यकर्ता, महिलाओं के मताधिकार की पैरवी करने वाली, अखिल भारतीय महिला सम्मेलन।	20वीं सदी के प्रारम्भ से मध्य तक
पेरियार ई.वी. रामास्वामी	आत्मसम्मान आंदोलन, ब्राह्मणवादी धर्म और संस्कृति का विरोध किया ।	20वीं सदी के प्रारम्भ से मध्य तक
बाल शास्त्री जाम्भेकर	मराठी पत्रकारिता के जनक (' दर्पण ' साप्ताहिक), ब्राह्मणवादी रूढ़िवाद पर प्रहार, विधवा पुनर्विवाह की वकालत।	19वीं सदी की शुरुआत
केशव चंद्र सेन	प्रार्थना की स्थापना समाज (बॉम्बे), ब्रह्मो से संबद्ध समाज .	19वीं शताब्दी के मध्य
मेधा पाटकर	नर्मदा बचाओ आंदोलन , राष्ट्रीय जन आंदोलन गठबंधन, पर्यावरण और	20वीं सदी के अंत से 21वीं सदी तक

	सामाजिक कार्यकर्ता।	

भारत में सामाजिक कार्य शैक्षणिक संस्थानों का कालक्रम

संस्थान का नाम	स्थापना वर्ष	प्रमुख संस्थापक/संबद्धता (यदि उल्लेखित हो)
सर दोराबजी टाटा ग्रेजुएट स्कूल ऑफ सोशल वर्क (TISS)	1936	सर क्लिफोर्ड मैन्शार्ड्ट
काशी विद्यापीठ , वाराणसी	1947	गांधीवादी मॉडल
राष्ट्रीय YWCA सामाजिक कार्य विभाग (बाद में DSSW)	1946 (अगस्त)	सुश्री नोरा वेंचुरा, YWCA ऑफ अमेरिका, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध
इंदौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क, इंदौर	1951	ईसाई मिशनरी
मद्रास स्कूल ऑफ सोशल वर्क, चेन्नई	1952	ईसाई मिशनरी
स्टेला मारिया, चेन्नई	1953	ईसाई मिशनरी
निर्मला निकेतन , मुंबई	1955	ईसाई मिशनरी
गुजरात विद्यापीठ , अहमदाबाद	1965	गांधीवादी मॉडल

स्वतंत्रता-पूर्व भारत में सामाजिक विधान

अधिनियम का नाम	अधिनियमन का वर्ष	मुख्य उद्देश्य/प्रावधान
बाल विवाह निरोधक अधिनियम (सारदा	1929	कम उम्र में विवाह के खतरों को समाप्त करना;

अधिनियम)		बच्चे (पुरुष ≤21, महिला ≤18) और नाबालिग (किसी भी लिंग ≤18) को परिभाषित करना।
आर्य विवाह मान्यता अधिनियम	1937	आर्यों में अंतर्विवाह की वैधता के बारे में संदेह को मान्यता दी गई और उसे दूर किया गया। समाजवादी .
हिंदू महिला का संपत्ति अधिकार अधिनियम	1937	स्त्रीधन पर पूर्ण अधिकार , गोद लेने और अलग से भरण-पोषण का अधिकार दिया गया।

. स्वतंत्रता के बाद के भारत में सामाजिक कानून

अधिनियम का नाम	अधिनियमन का वर्ष	मुख्य उद्देश्य/प्रावधान
विशेष विवाह अधिनियम	1954	सभी भारतीय नागरिकों के लिए, चाहे वे किसी भी धर्म या आस्था के हों, एक विशेष प्रकार का सिविल विवाह प्रदान किया गया।
हिंदू विवाह अधिनियम	1955	हिंदुओं के बीच विवाह कानून को संशोधित और संहिताबद्ध किया गया; हिंदू कोड बिल के भाग के रूप में व्यक्तिगत जीवन,

		विवाह की वैधता, अमान्यता की शर्तों को विनियमित किया गया।

. सामाजिक कार्य अभ्यास में प्रयुक्त मुख्य सिद्धांत

सिद्धांत का नाम	मुख्य अवधारणा/फोकस
सामान्य प्रणाली सिद्धांत	किसी प्रणाली के तत्वों के बीच पारस्परिक संबंध; किसी व्यक्ति के जीवन में कई चरणों में हस्तक्षेप।
मनोगतिक सिद्धांत	आंतरिक ऊर्जाएं (आवश्यकताएं, प्रेरणाएं, भावनाएं) भावनात्मक विकास को प्रभावित करने के लिए बाह्य शक्तियों के साथ कैसे अंतःक्रिया करती हैं; अहं रक्षा तंत्र।
सामाजिक शिक्षण सिद्धांत	अवलोकन और अनुकरण के माध्यम से सीखना (बंडुरा); यदि सुदृढ़ीकरण किया जाए तो व्यवहार जारी रहता है; समस्या व्यवहार को बदलने के लिए सुदृढ़ीकरण को बदलना।
संघर्ष सिद्धांत	सत्ता संरचनाएं और असमानताएं जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं; समाज संरचनात्मक असमानता के माध्यम से उत्पीड़न को कायम रखता है; संघर्ष के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन।
सांस्कृतिक विलम्ब सिद्धांत	(ओगबर्न) गैर-भौतिक संस्कृति भौतिक/तकनीकी परिवर्तनों से पीछे रह जाती है, जिससे सामाजिक समस्याएं

	पैदा होती हैं।
विभेदक संघ सिद्धांत	(सदरलैंड) आपराधिक व्यवहार दूसरों के साथ बातचीत के माध्यम से सीखा जाता है, विशेष रूप से अंतरंग व्यक्तिगत समूहों में।
सामाजिक विनिमय सिद्धांत	(होमन्स) मानवीय रिश्ते लागत-लाभ विश्लेषण पर आधारित होते हैं; लाभ को अधिकतम करना और लागत को न्यूनतम करना।
क्षेत्र सिद्धांत	(लेविन) व्यवहार व्यक्ति के अपने पर्यावरण (जीवन स्थान) के भीतर अंतःक्रिया करने का एक कार्य है; व्यवहार लक्ष्य-उन्मुख होता है।
मनोसामाजिक विकास सिद्धांत	(एरिक्सन) जीवन चक्र में पहचान और मनोसामाजिक विकास के आठ चरण, जिनमें से प्रत्येक में एक मनोसामाजिक संकट होता है।
ट्रांसपर्सनल सिद्धांत	स्वस्थ व्यक्तियों में रचनात्मकता, बुद्धिमत्ता और परोपकारिता में योगदान देते हुए, वयस्क अहंकार से परे के चरणों का प्रस्ताव करता है।
तर्कसंगत विकल्प सिद्धांत	सभी कार्य मूलतः तर्कसंगत होते हैं; लोग निर्णय लेने से पहले जोखिम और लाभ की गणना करते हैं।

सामाजिक कार्य अभ्यास मॉडल

मॉडल नाम	संक्षिप्त विवरण/मुख्य विशेषता
समस्या समाधान मॉडल	ग्राहकों को समस्या समाधान प्रक्रिया में सहायता प्रदान करना, तथा उन्हें स्वयं समाधान विकसित करने की विधि सिखाना।
कार्य-केंद्रित अभ्यास मॉडल	अल्पकालिक उपचार जहां ग्राहक विशिष्ट, मापनीय लक्ष्य निर्धारित करते हैं; लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए रणनीतियों और चरणों पर सहयोग।
कथात्मक चिकित्सा मॉडल	किसी व्यक्ति की जीवन कहानी की जांच करके उसकी समस्या को बाह्य रूप दिया जाता है; ग्राहक को समस्या से परिभाषित नहीं किया जाता है; कौशल और क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।
संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी (सीबीटी) मॉडल	विचारों, भावनाओं और व्यवहारों के बीच संबंधों पर ध्यान केंद्रित करता है; तर्कहीन/आत्म-विनाशकारी विचार पैटर्न को पहचानने और बदलने में मदद करता है।
संकट हस्तक्षेप मॉडल	तीव्र संकटों के लिए उपयोग किया जाता है; इसमें सात चरण शामिल हैं: सुरक्षा का आकलन, तालमेल बनाना, समस्या की पहचान, भावनाओं को संबोधित करना, विकल्प उत्पन्न करना, कार्य योजना, अनुवर्ती कार्रवाई।

UNIT-1 समाज कार्य

1. अभिकथन (A) समाज कार्य का विभाजन प्रायः तीन मुख्य व्यवहार श्रेणियों वृहत्, मध्य तथा सूक्ष्म में किया जाता है, जिनमें क्रमशः वृहत्तर समुदायों, पड़ोसियों तथा व्यक्तियों की समस्याओं को सुलझाया जाता है। तर्क (R) समाज कार्य के ये तीन स्तरों का एकान्तिक रूप से कार्य करना प्रतीत होता है।

   (a) A और R दोनों सही हैं

   (b) A और R दोनों गलत हैं

   (c) A सही है और R गलत है

   (d) A गलत है और R सही है

2. व्यक्तिगत समाज कार्य के चरण के सम्बन्ध में सही क्रम की पहचान कीजिए

   (a) अध्ययन, प्रवेश, सामाजिक निदान, उपचार, समाप्ति, मूल्यांकन

   (b) प्रवेश, अध्ययन, सामाजिक निदान, उपचार, मूल्यांकन, समाप्ति

   (c) प्रवेश, अध्ययन, सामाजिक निदान, उपचार, समाप्ति, मूल्यांकन

   (d) अध्ययन, सामाजिक निदान, प्रवेश, उपचार, समाप्ति, मूल्यांकन

3. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए और दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची I	सूची II
A. आर्य समाज	1. मैडम एच.पी. ब्लावत्स्की
B. प्रार्थना समाज	2. शुद्धी आन्दोलन
C. थियोसोफिकल सोसायटी	3. हेनरी विवियन डेरोजियो
D. यंग बंगाल आन्दोलन (मूवमेण्ट)	4. आत्माराम पाण्डुरंग

कूट

A B C D

(a) 1 3 2 4

(b) 2 4 1 3

(c) 3 2 4 1

(d) 4 1 3 2

4. ब्रह्म समाज और आर्य समाज के बीच धर्म से सम्बन्धित निम्नलिखित में से कौन-सी विशिष्टता थी?

(a) मूर्ति पूजा का विरोध

(b) कर्मकाण्डवाद का विरोध

(c) सामाजिक बुराई का धर्म से पृथक्करण

(d) सभी धर्मों को बराबर का दर्जा प्रदान करना

5. कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा ... में 'कारखाना' शब्द को परिभाषित किया गया है।

(a) 2(S)
(b) 2(P)
(c) 2(V)
(d) 2(M)

6. निम्न में से कौन समाज कार्य की सीमा से बाहर है?

(a) सचेतन

(b) पूर्व-चेतन

(c) उप-चेतन

(d) अवचेतन

7. निम्नलिखित पर विचार कीजिए कथन (A) समाज कार्य भारत में अपनी पहचान नहीं बना पाया है।

कारण (R) समाज कार्य व्यवहार का आधार विस्तृत है।

कूट

(a) A सही है और R सही नहीं है

(b) A सही नहीं है और R सही है

(c) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है

(d) A और R. दोनों सही हैं, परन्तु R, A को सही व्याख्या नहीं है

8. निम्नलिखित पर विचार कीजिए कथन (A) समाज कार्य सामाजिक न्याय को बढ़ावा देता है।

कारण (R) समाज कार्य सभी लोगों को समाज द्वारा स्वीकृत और उनकी इच्छा के अनुसार विधि से उनके व्यक्तित्व विकास का समान अवसर प्रदान करता है। कूट

(a) A सही है और R सही नहीं है

(b) A सही नहीं है और R सही है

(c) A और B दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है

(d) A और B दोनों सही है, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है

9. निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता मानव समाज को पशु समाज से स्पष्ट रूप से अलग करती है?

(a) अन्तर्क्रिया

(b) संस्कृति

(c) सीमा

(d) सामूहिक जीवन

PROFESSORS ADDA 2025
One Stop Solution for NET / JRF / A. Professor / CUET

10. वर्ष 1915 में दान तथा सुधार के सम्बन्ध में राष्ट्रीय सम्मेलन में 'क्या समाज कार्य एक व्यवसाय है' नामक विवादास्पद भाषण द्वारा दिया गया था। के

(a) मैरी रिचमण्ड

(b) गिसेला कोनोप्का

(c) अब्राहम फ्लेक्सनर

(d) हरबर्ट स्पेन्सर

PAID STUDENTS BENEFITS

- ✓ Access to PYQs of the Upcoming 1 year Exams
- ✓ Entry into Quiz Group + Premium Materials
- ✓ 20% Discount on Future Purchases /For Referring a Friend
- ✓ Access to Current Affairs + Premium Study Group

NOTE: Please share your Fee Receipt or Payment Screenshot for activation.

Click here to join

Call us/whatapp +91 7690022111 +91 9216228788

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

11. निम्नलिखित पर विचार कीजिए। कथन (A) अपने आरम्भ के 75 वर्षों बाद भी समाज कार्य भारत में अपनी व्यावसायिक स्थिति के लिए संघर्ष कर रहा है।

कारण (R) मानवाधिकार तथा सामाजिक न्याय, सामाजिक कार्य व्यवसाय के लिए मूल तत्त्व है।

(a) A और R दोनों सही हैं

(b) A और R दोनों गलत हैं

(c) A सही है, परन्तु R गलत है

(d) A गलत है, परन्तु R सही है

12. 'स्थिति में व्यक्ति' (पर्सन-इन-सिच्यूवेशन) अवधारणा दी गई

(a) मैरी रिचमण्ड द्वारा

(b) फ्लोरेंस होलिस द्वारा

(c) एच बार्टलेट द्वारा

(d) चार्ल्स कूले द्वारा

13. अभिकथन (A) समाज कार्य एक मानव अधिकार व्यवसाय है।

तर्क (R) सेवार्थी की समस्या का समाधान उसके निर्णयानुसार किया जाना चाहिए।

कूट

(a) A और R दोनों सही हैं

(b) A और R दोनों सही नहीं हैं

(c) A सही है, परन्तु R सही नहीं है

(d) R सही है, परन्तु A सही नहीं है

14. निम्नलिखित को समाज कार्य के ऐतिहासिक विकास के अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए

1. कल्याण

2. विकास

3. दान और मानव प्रेम

4. सशक्तिकरण

कूट

(a) 1, 3, 4, 2
(b) 3, 1, 2, 4
(c) 2, 3, 1, 4
(d) 4, 2, 3, 1

15. समाज कार्य व्यवहार की जीवन प्रतिकृति (पारिस्थितिकी) का सर्वोत्तम सम्बन्ध है

(a) वाल्टर फ्राइलेण्डर

(b) मैरी रिचमण्ड

(c) कोरेल बी जरमेन

(d) फलोरेन्स होलीस

16. दुर्खीम के अनुसार, 'मानव एजेन्सी' को निम्नलिखित द्वारा बाधित किया जाता है

(a) राजनैतिक प्रक्रिया द्वारा

(b) सामाजिक ढाँचा द्वारा

(c) आर्थिक संसाधनों द्वारा

(d) अन्य कर्ताओं की एजेन्सी द्वारा

17. थियोसोफिकल सोसायटी सबसे पहले किसके द्वारा प्रारम्भ की गई थी?

(a) मैडम ब्लावत्स्की

(b) सर ए.ओ. ह्यूम

(c) सुरेन्द्रनाथ बैनर्जी

(d) स्वामी विवेकानन्द

18. अभिकथन (A) समाज कार्य व्यवसाय में आचार संहिता महत्त्वपूर्ण एवं आवश्यक है।

कारण (R) आचार संहिता में स्व परिस्थिति की उपलब्धता एवं आवश्यकता की पहचान समाहित है।

(a) A और R दोनों सत्य हैं

(b) A सत्य है, परन्तु R सत्य नहीं है

(c) A सत्य नहीं है, परन्तु R सत्य है

(d) A और R दोनों सत्य नहीं हैं

19. अभिकथन (A) समाज कार्य संगठित गतिविधि है, जो आर्थिक पराश्रितता से सम्बन्ध रखती है। कारण (R) उपशामक गतिविधि पहले से ही विद्यमान आर्थिक तनाव को कम करने के लिए निर्देशित की जाती है। कूट

(a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है

(b) A और R दोनों सही नहीं हैं

(c) A और R दोनों सही हैं, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है

(d) A सही है, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है

20. समाज कार्य से सम्बन्धित कार्यों के सन्दर्भ में विशेष प्रशिक्षण प्रक्रिया की शुरुआत सर्वप्रथम कहाँ की गई? देने की

(a) इंग्लैण्ड

(b) फ्रांस

(c) भारत

(d) अमेरिका

21. भारत में समाज कल्याण प्रचलन की शुरुआत किस रूप में प्रारम्भ हुई थी?

(a) चिकित्सालय स्थापित कर

(b) आवास निर्माण के माध्यम से

(c) दान प्रक्रिया प्रारम्भ कर

(d) जलाशय की व्यवस्था कर

22. "सर्वेण्ट्स ऑफ इण्डिया सोसायटी" की स्थापना वर्ष 1905 में किसके द्वारा की गई थी?

(a) लोकमान्य बालगंगाधर तिलक

(b) ज्योतिबा फुले

(c) ईश्वरचन्द्र विद्यासागर

(d) गोपाल कृष्ण गोखले

23. भारत में समाज कार्य शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु सर दोराबजी टाटा ग्रेजुएट स्कूल ऑफ सोशल वर्क की स्थापना कहाँ की गई थी?

(a) मुम्बई

(b) पुणे

(c) अहमदाबाद

(d) वर्धा

24. समाज कार्य एक व्यवसाय की श्रेणी में आता है, क्योंकि

(a) इसमें आय की प्राप्ति होती है

(b) रोजगारपरक माना जाता है

(c) व्यवस्थित एवं क्रमवद्ध ज्ञान पर आधारित है

(d) भावनात्मक व वस्तुनिष्ठात्मक सम्बन्धों पर आधारित है

25. समाज कार्य अध्ययन के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से किसे शामिल नहीं किया जाता है?

(a) व्यावसायिक शिक्षा का स्तर ऊँचा करना

(b) अनुसन्धान को बढ़ावा देना

(c) समाज कार्य को राजनीतिक हितों से जोड़ना

(d) वैज्ञानिक आधार प्रदान करना

26. "इण्डियन एसोसिएशन ऑफ एलुमनाई स्कूल ऑफ सोशल वर्क" का गठन किस वर्ष किया गया था?

(a) वर्ष 1948

(b) वर्ष 1951

(c) वर्ष 1954

(d) वर्ष 1957

27. भारत के नवजागरण का अग्रदूत किसे माना जाता है?

(a) राजा राममोहन राय

(b) स्वामी दयानन्द सरस्वती

(c) रामकृष्ण परमहंस

(d) स्वामी विवेकानन्द

28. धर्म और समाज सुधार के प्रतीक आर्य समाज की स्थापना दयानन्द सरस्वती ने कहाँ की थी?

(a) लाहौर

(b) बड़ीदा

(c) मुम्बई

(d) अमृतसर

29. "वेदों की ओर लौटो" नारा सामाजिक सुधार के सन्दर्भ में सर्वप्रथम किसने दिया था?

(a) राज राममोहन राय

(b) ईश्वरचन्द्र विद्यासागर

(c) दयानन्द सरस्वती

(d) केशवचन्द्र सेन

30. भारत में 'थियोसोफिकल सोसायटी' के नेतृत्व में समाज सुधार सम्बन्धित अभियान किसने संचालित किया?

(a) गोपाल कृष्ण गोखले

(b) मैडम ब्लावत्स्की

(c) एनी बेसेण्ट

(d) दयानन्द सरस्वती

31. भारत में "थियोसोफिकल सोसायटी" का मुख्यालय कहाँ स्थापित किया गया था?

(a) पूना (पुणे)

(b) मुम्बई

(c) अहमदाबाद

(d) अडयार

32. वेल्लूर में रामकृष्ण मिशन की स्थापना का मूल उद्देश्य था

(a) मानवतावादी कार्य पूरा करना

(b) सामाजिक कार्य पूरा करना

(c) 'a' और 'b' दोनों

(d) आध्यात्मिक अध्ययन करना

33. मुस्लिम समाज सुधार आन्दोलन से सम्बन्धित वहाबी आन्दोलन का मुख्य केन्द्र भारत में कहाँ था?

(a) पटना

(b) कोलकाता

(c) हैदराबाद

(d) मैसूर

34. मोहम्मडन एंग्लो-ऑरियण्टल स्कूल की स्थापना अलीगढ़ में किसने को थी?

(a) मिर्जा गुलाम अहमद

(b) सैयद अहमद खाँ

(c) हकीम अजमल खाँ

(d) हसरत मोहानी

35. अलीगढ़ मुस्लिम आन्दोलन का मुख्य उद्देश्य था

(a) रूढ़िवादी समाज को आधुनिक बनाना

(b) पाश्चात्य संस्कृति को अपनाना

(c) अंग्रेजी शिक्षा का समर्थन

(d) उपरोक्त सभी

36. समाज कार्य के अन्तर्गत कार्यकर्ता, सेवार्थी के कार्यों का निष्पादन किस प्रकार से करता है?

(a) भावनात्मक तरीके से

(b) गुणात्मक तरीके से

(c) संवेगात्मक तरीके से

(d) वैधानिक तरीके से

37. समाज कार्य के व्यावसायिक अभ्यास में समरूपता लाने के उद्देश्य से सर्वप्रथम किस देश में आचार संहिता अपनाई गई थी?

(a) इंग्लैण्ड

(b) फ्रांस

(c) अमेरिका

(d) भारत

38. समाज कार्य के सन्दर्भ में क्रियान्वित आचार संहिता भारत द्वारा किस देश से ग्रहण की गई है?

(a) अमेरिका

(b) फ्रांस

(c) इंग्लैण्ड

(d) कनाडा

39. अधिकांश सामाजिक कार्यकर्ता आचार संहिता को ग्रहण नहीं करते हैं, क्योंकि

(a) यह अलिखित होती है

(B) प्रभावशाली व्यावसायिक संगठन

(c) प्रभावशाली सामाजिक कार्यकर्ता

(d) b और c दोनों

40. समाज कार्य से सम्बन्धित सक्षमता कार्यकर्ता के किस गुण को निर्देशित करती है?

(a) विवेकशील गुण

(b) भावनात्मक गुण

(c) कार्यशैली

(d) कार्यक्षमता

41. पेशेवर अभ्यास कर्ता सामाजिक कार्य के दौरान किन परिणामों पर अधिक ध्यान देता है?

(a) परिणात्मक

(b) गुणात्मक

(c) भावनात्मक

(d) मात्रात्मक

42. समाज कार्य में अभ्यास के साथ पेशेवर होने का तात्पर्य है

(a) पेशेवर व्यवहार एवं पेशे दोनों को समृद्ध करना

(b) व्यावसायिक उद्देश्यों को महत्त्व देना

(c) पेशेवर कार्य को ही अधिक महत्त्व देना

(d) केवल पेशे को अधिक महत्त्व देना

43. समाज कार्य के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन एक आचार-व्यवहार के अभ्यास के अन्तर्गत नहीं है?

(a) नैतिक व्यवहार का प्रयोग

(b) प्रासंगिक कानून की समझ

(c) स्पष्ट सहनशीलता का सहारा

(d) प्रासंगिक सूचनाएँ उपलब्ध करवाना

44. "समाज कार्य में लोगों की भागीदारी आवश्यक है", यह कथन किसका है?

(a) पिनकस

(b) मिनाहन

(c) हैबरमास

(d) 'a' और 'b' दोनों

45. सामाजिक कार्य आधारित है

(a) परोपकारिता पर

(b) प्रजातान्त्रिक आदर्श पर

(c) सामाजिक न्याय एवं आदर्श पर

(d) ये सभी

46. व्यावसायिक समाज कार्य अभ्यास का उद्देश्य मुख्य रूप से किस विषय-क्षेत्र पर अधिक होता है?

(a) समस्या समाधान तथा परिवर्तन करना

(b) रोजगार के अवसर पैदा करना

(c) नीतियों का क्रियान्वयन करना

(d) विकास की रूपरेखा बनाना

47. समाज कार्य क्रियान्वयन में किसे एक बड़ी बाधा माना जाता है?

(a) साक्षरता

(b) आधुनिक दृष्टिकोण

(c) वित्तीय सहायता

(d) राजनीतिक हस्तक्षेप

48. वित्तीय समस्या किस प्रकार से समाज कार्य के मार्ग में चुनौतियाँ उत्पन्न करती है?

(a) संसाधनों का अभाव हो जाता है

(b) भ्रष्टाचार का तेजी से विकास होता है

(c) कार्यक्षमता पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न होता है

(d) संस्थान कमाई का विस्तृत जरिया बन जाता है

49. स्व-हितार्थ की भावना से प्रेरित कार्य, समाज कार्य पर किस प्रकार नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करता है?

(a) संस्थान के साथ नजदीकी लगाव कमजोर होता है

(b) भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है

(c) समाज कार्य की गुणात्मक कार्यशैली पर नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न होता है

(d) उपरोक्त सभी

50. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. आधुनिक समाज कार्यकर्ता किसी-न-किसी रूप में प्रदान की गई सेवाओं का प्रतिफल प्राप्त करता है।

2. आधुनिक समाज कार्यकर्ता व्यावसायिक दृष्टि से प्रशिक्षित व सेवा कार्य में निपुण होता है।

उपरोक्त कथनों में कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

ANSWERS

1	A	21	C	41	B
2	C	22	D	42	A
3	B	23	A	43	D
4	D	24	C	44	D
5	D	25	C	45	D
6	B	26	B	46	A
7	C	27	A	47	D
8	C	28	C	48	A
9	B	29	C	49	D
10	C	30	C	50	C
11	A	31	D		
12	B	32	C		
13	A	33	A		
14	B	34	B		
15	C	35	D		
16	B	36	B		
17	A	37	C		
18	A	38	A		
19	C	39	D		
20	D	40	C		

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

Topper's Tool Kit 2025

PROFESSORS ADDA

Topper's Tool Kit 2025

🧠 Benefits & Features:

- ✅ **Core Concepts** – हर टॉपिक का सार, आसान भाषा में
- ✅ **Key Thinkers & Theories** – नाम + विचार + साल = सब याद रहेगा
- ✅ **Important Books** – वही किताबें, जो **exams** मे आती **year** सहित
- ✅ **Flow Charts** – हर जटिल टॉपिक को **1** पेज में समझो
- ✅ **Mind Maps** – तेज़ रिविजन के लिए **Visual Recall Hack**

Topper बनने और "Smart Study का असली formula"

🧠क्यों महत्वपूर्ण है

विषय की नींव और आधार होते है विचारक और **concepts.** हर बार जरूर सवाल बनते है **UGC NET exam** से **interview** तक

ALL INDIA RANK

📢 Topper बनना है? Toolkit है जवाब!

📦 Format: Digital PDF + Optional Print
📅 Latest Update: May 2025 तक

🚀 टॉपर्स इस पर भरोसा क्यों करते हैं?

- **No Guesswork** – सिर्फ **Exam-Oriented** कंटेंट
- **Visual Learning** = तेज़ **Revision**
- टाइम बचे, स्कोर बढ़े
- घर बैठे **Smart Preparation**

PROFESSORS ADDA

📦 Available in Digital PDF + Print Format

📤 Book Now | DM | WhatsApp | Download from the link

sample Notes/
Expert Guidance/Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

+91 7690022111 +91 9216228788

सामाजिक कार्य टॉपर टूल किट सुपर रिवीजन

विचारक 1: जेन एडम्स (1860-1935)

1. **परिचय** :

एक अमेरिकी बस्ती कार्यकर्ता, सुधारक और समाजशास्त्री, जेन एडम्स को सामाजिक कार्य के अग्रणी और महिला मताधिकार आंदोलन में एक नेता के रूप में सम्मानित किया जाता है। उन्होंने शिकागो में हल हाउस की सह-स्थापना की, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के पहले बस्ती घरों में से एक है।

2. **प्रमुख योगदान:**

- **सेटलमेंट हाउस आंदोलन:** हल हाउस की सह-स्थापना की, जो आसपास के आप्रवासी समुदाय के लिए सामाजिक, शैक्षिक और कलात्मक कार्यक्रम प्रदान करता था, जो देश भर में सेटलमेंट हाउस के लिए एक मॉडल बन गया।
- **सामाजिक सुधार के लिए वकालत:** बेहतर श्रम कानूनों, शहरी स्वच्छता, सार्वजनिक स्वास्थ्य और महिला अधिकारों के लिए अभियान चलाया, जिससे सार्वजनिक नीति को मौलिक रूप से आकार मिला।
- **शांति सक्रियता:** एक कट्टर शांतिवादी, वह अंतर्राष्ट्रीय शांति आंदोलन की नेता थीं और उनके प्रयासों के लिए उन्हें 1931 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

3. **महत्वपूर्ण अवधारणाएं:**
   - **सामाजिक कार्य में व्यावहारिकता:** एडम्स ने एक व्यावहारिक, व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया, उनका मानना था कि सामाजिक समाधान अमूर्त सिद्धांतों के बजाय वास्तविक दुनिया के अनुभव और प्रयोग से प्राप्त किए जाने चाहिए।
   - **सहानुभूतिपूर्ण ज्ञान:** यह विचार कि दूसरों की वास्तव में मदद करने के लिए, प्रत्यक्ष जुड़ाव और सहानुभूति के माध्यम से उनके जीवन और अनुभवों की गहन समझ हासिल करनी चाहिए।
   - **सामाजिक नैतिकता:** तर्क दिया गया कि व्यक्तिगत नैतिकता समुदाय की भलाई के साथ जुड़ी हुई है और सामाजिक न्याय के लिए समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।
4. **प्रमुख पुस्तकें/कार्य:**
   - *लोकतंत्र और सामाजिक नैतिकता* (1902)

- *शांति के नए आदर्श* (1907)
- *युवाओं की भावना और शहर की सड़कें* (1909)
- *हल-हाउस में बीस साल* (1910)

विचारक 2: मैरी रिचमंड (1861-1928)

1. **परिचय:**

   मैरी रिचमंड संयुक्त राज्य अमेरिका में सामाजिक कार्य के व्यवसायीकरण में एक आधारभूत व्यक्ति थीं। उनके काम ने सामाजिक केसवर्क के लिए एक वैज्ञानिक पद्धति स्थापित की, जिसमें व्यक्तियों और परिवारों को उनकी समस्याओं में मदद करने के लिए व्यवस्थित मूल्यांकन और निदान पर जोर दिया गया।

2. **प्रमुख योगदान:**
   - **सामाजिक केसवर्क का विकास:** जांच, निदान और उपचार की

संरचित विधियों को शुरू करके व्यक्तियों की मदद करने की प्रक्रिया को व्यवस्थित किया गया। [1]

- **सामाजिक कार्य का व्यवसायीकरण:** सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए औपचारिक प्रशिक्षण और शिक्षा की वकालत की गई, जिससे सामाजिक कार्य को एक मान्यता प्राप्त पेशे के रूप में स्थापित करने में मदद मिल सके।
- **"पर्यावरण में व्यक्ति" पर जोर:** वह उन पहले लोगों में से एक थे जिन्होंने ग्राहकों को उनके सामाजिक वातावरण के संदर्भ में समझने की आवश्यकता पर जोर दिया, एक अवधारणा जो आज भी सामाजिक कार्य के लिए केंद्रीय बनी हुई है। [2]

3. **महत्वपूर्ण अवधारणाएं:**
   - **सामाजिक निदान:** ग्राहक की स्थिति (पारिवारिक इतिहास, पर्यावरण, आदि) के बारे में तथ्य एकत्र करने, उनका विश्लेषण करने, तथा सामाजिक कठिनाई की परिभाषा पर पहुंचने की व्यवस्थित प्रक्रिया।
   - **"व्यापक स्व":** यह अवधारणा कि एक व्यक्ति अपने परिवार, समुदाय और व्यापक सामाजिक नेटवर्क के साथ जुड़ा हुआ है, और ये संबंध प्रभावी हस्तक्षेप के लिए महत्वपूर्ण हैं।
   - **विभेदक केसवर्क:** यह विचार कि हस्तक्षेप प्रत्येक ग्राहक की विशिष्ट आवश्यकताओं और परिस्थितियों के अनुरूप होना चाहिए, न कि सभी के लिए एक ही दृष्टिकोण लागू किया जाना चाहिए।
4. **प्रमुख पुस्तकें/कार्य:**
   - *गरीबों के बीच दोस्ताना मुलाकात: चैरिटी कार्यकर्ताओं के लिए एक पुस्तिका* (1899)

- *आधुनिक शहर में अच्छा पड़ोसी* (1907)
- *सामाजिक निदान* (1917)
- *सामाजिक केस कार्य क्या है?* (1922)

विचारक 3: कार्ल मार्क्स (1818-1883)

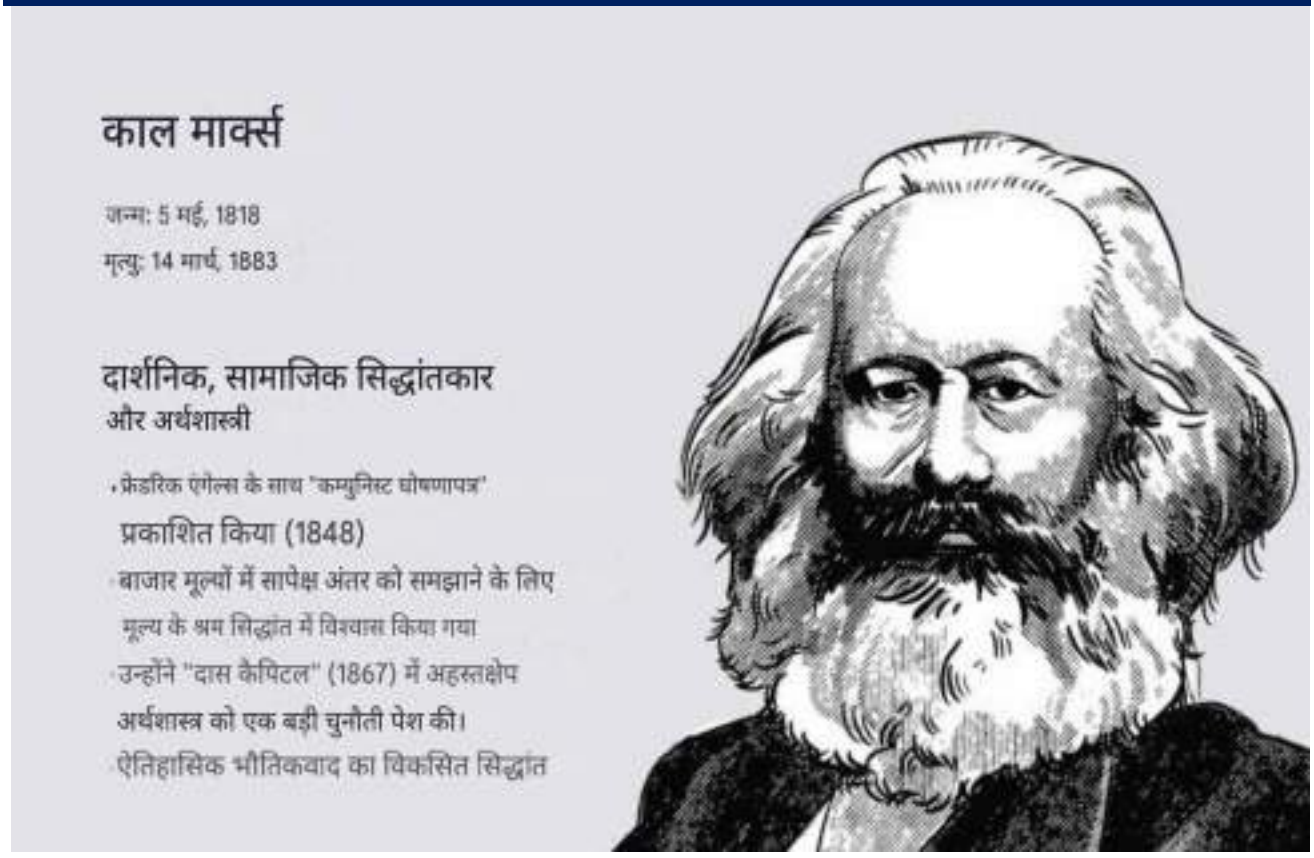

1. **परिचय:**

   कार्ल मार्क्स एक जर्मन दार्शनिक, अर्थशास्त्री और क्रांतिकारी समाजवादी थे, उनके विचार संघर्ष सिद्धांत के लिए आधारभूत हैं। 3 वर्ग संघर्ष और पूंजीवाद का उनका विश्लेषण सामाजिक असमानता, शक्ति गतिशीलता और सामाजिक कार्य में सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान करता है।

2. **प्रमुख योगदान:**
   - **संघर्ष सिद्धांत:** प्रस्तावित है कि सीमित संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा

के कारण समाज सतत संघर्ष की स्थिति में है, जिसमें सामाजिक व्यवस्था सर्वसम्मति के बजाय शक्ति और प्रभुत्व द्वारा कायम रहती है। [4]

- **पूंजीवाद की आलोचना:** पूंजीवाद का विश्लेषण शोषण की एक प्रणाली के रूप में किया गया है, जहां पूंजीपति वर्ग (मालिक) सर्वहारा वर्ग (श्रमिकों) के श्रम से लाभ कमाते हैं, जिससे अलगाव और असमानता पैदा होती है।
- **ऐतिहासिक भौतिकवाद:** यह तर्क दिया गया कि किसी समाज का आर्थिक संगठन ("आधार") मूल रूप से उसके सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक संस्थानों ("अधिरचना") को निर्धारित करता है।

3. **महत्वपूर्ण अवधारणाएं:**
   - **वर्ग संघर्ष:** विभिन्न सामाजिक वर्गों, विशेषकर पूंजीपति वर्ग और सर्वहारा वर्ग के बीच निहित हितों का संघर्ष, जिसे ऐतिहासिक परिवर्तन का प्राथमिक इंजन माना जाता है।
   - **अलगाव:** वह प्रक्रिया जिसके तहत श्रमिक अपने श्रम, अपने द्वारा निर्मित उत्पादों, अपने साथी श्रमिकों और पूंजीवादी व्यवस्था के भीतर अपनी स्वयं की मानवीय क्षमता से अलग हो जाते हैं।
   - **मिथ्या चेतना:** एक ऐसी स्थिति जिसमें श्रमिक वर्ग अनजाने में ही प्रभुत्वशाली वर्ग की विचारधारा को स्वीकार कर लेता है, जिससे वह अपने उत्पीड़न और शोषण को पहचानने से वंचित रह जाता है।
4. **प्रमुख पुस्तकें/कार्य:**
   - *कम्युनिस्ट घोषणापत्र* (फ्रेडरिक एंगेल्स के साथ) (1848)
   - *दास कैपिटल (कैपिटल)* , खंड 1 (1867)
   - *जर्मन विचारधारा* (फ्रेडरिक एंगेल्स के साथ) (1846 में लिखित,

1932 में प्रकाशित)

विचारक 4: एमिल दुर्खीम (1858-1917)

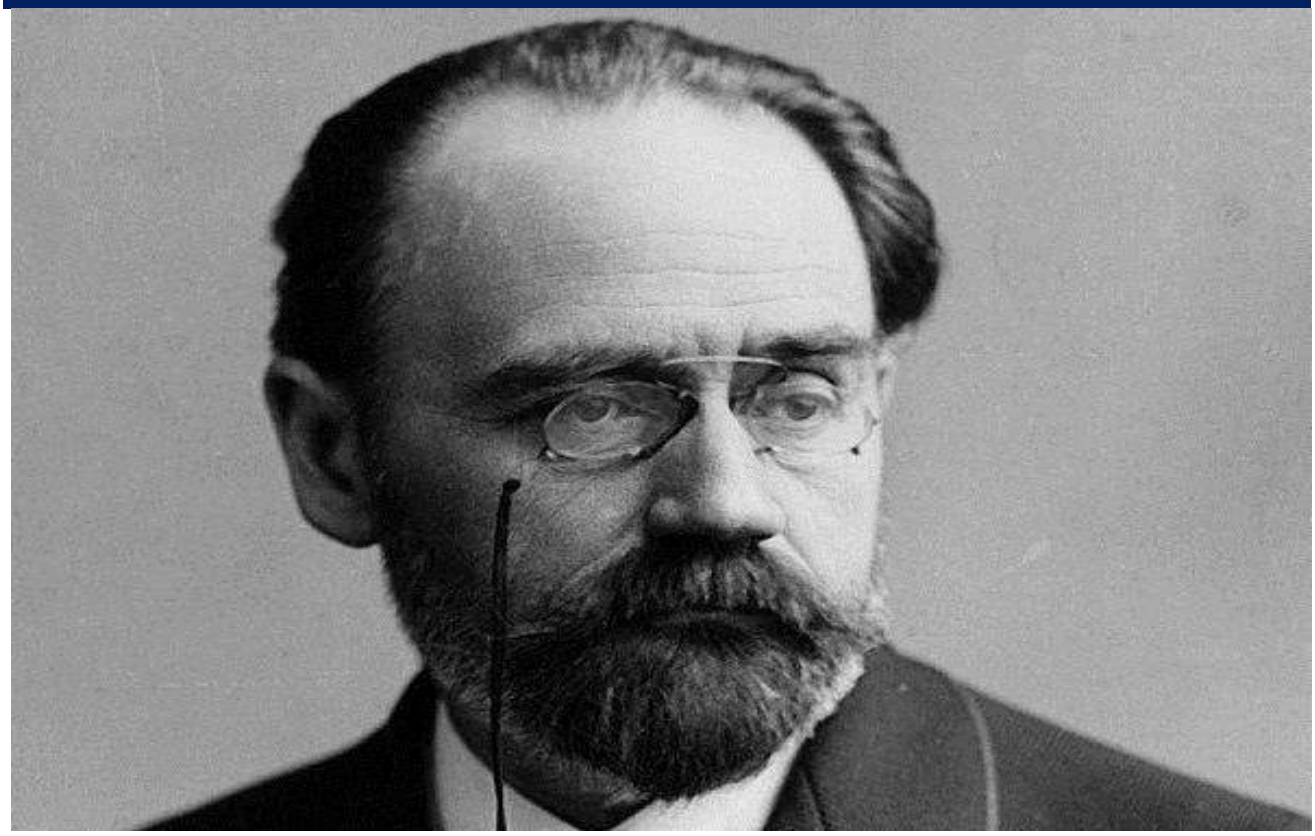

1. **परिचय:**

   आधुनिक सामाजिक विज्ञान के प्रमुख वास्तुकार, एमिल दुर्खीम एक फ्रांसीसी समाजशास्त्री थे, जिनका कार्य कार्यात्मक दृष्टिकोण के लिए केंद्रीय है।5 उन्होंने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि समाज सामाजिक एकीकरण को कैसे बनाए रखता है और सामाजिक व्यवस्था बनाने में साझा मूल्यों और विश्वासों की भूमिका क्या है।

2. **प्रमुख योगदान:**

   - **कार्यात्मकतावाद:** समाज को एक जटिल प्रणाली के रूप में देखा जिसके भाग एकजुटता और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए मिलकर

काम करते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि सामाजिक घटनाओं को समाज में उनके कार्य के संदर्भ में समझा जाना चाहिए। [6]

- **आत्महत्या का अध्ययन:** अपने ऐतिहासिक अध्ययन *आत्महत्या में*, उन्होंने प्रदर्शित किया कि न केवल व्यक्तिगत मनोविज्ञान, बल्कि सामाजिक कारक भी आत्महत्या की दरों के प्रमुख निर्धारक हैं, जो उन्हें सामाजिक एकीकरण और विनियमन के स्तर से जोड़ते हैं।
- **सामाजिक तथ्यों की अवधारणा:** "सामाजिक तथ्यों" के विचार को स्थापित किया गया - मूल्य, सांस्कृतिक मानदंड और सामाजिक संरचनाएं जो व्यक्ति से परे हैं और सामाजिक नियंत्रण करने में सक्षम हैं।

3. **महत्वपूर्ण अवधारणाएं:**
   - **एनोमी (Anomie):** आदर्शहीनता या सामाजिक विघटन की वह स्थिति , जिसमें व्यक्ति स्पष्ट नैतिक मार्गदर्शन या सामाजिक विनियमन के अभाव के कारण समाज से कटा हुआ महसूस करता है।
   - **सामाजिक एकीकरण:** वह सीमा जिस तक व्यक्ति साझा मूल्यों और बंधनों के माध्यम से अपने सामाजिक समूह या समुदाय से जुड़े होते हैं।
   - **सामूहिक विवेक:** साझा विश्वासों, विचारों और नैतिक दृष्टिकोणों का समूह जो समाज के भीतर एक एकीकृत शक्ति के रूप में कार्य करता है।
4. **प्रमुख पुस्तकें/कार्य:**
   - *समाज में श्रम का विभाजन* (1893)
   - *समाजशास्त्रीय विधि के नियम* (1895)
   - *आत्महत्या: समाजशास्त्र में एक अध्ययन* (1897)

- *धार्मिक जीवन के प्राथमिक रूप* (1912)

विचारक 5: मैक्स वेबर (1864-1920)

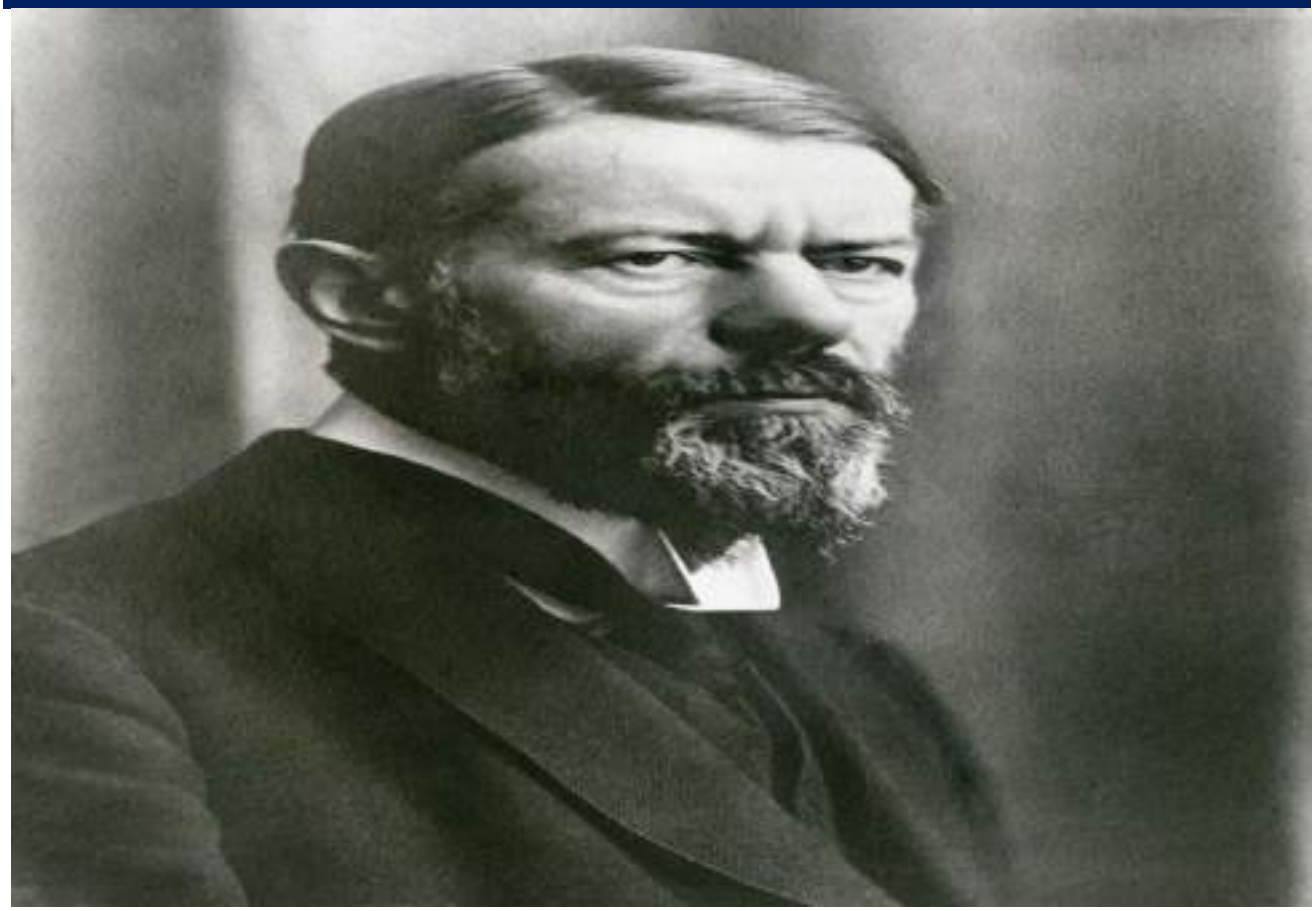

1. **परिचय:**

   मैक्स वेबर एक जर्मन समाजशास्त्री और राजनीतिक अर्थशास्त्री थे जिनके विचारों ने सामाजिक सिद्धांत को गहराई से प्रभावित किया। सामाजिक स्तरीकरण के प्रति उनका दृष्टिकोण और नौकरशाही का उनका विश्लेषण सामाजिक कार्य प्रशासन और नीति से संबंधित समाजशास्त्रीय अध्ययन के मुख्य घटक हैं।

2. **प्रमुख योगदान:**

   - **नौकरशाही का सिद्धांत:** संगठन के सबसे कुशल रूप के रूप में

नौकरशाही का विस्तृत विश्लेषण प्रदान किया, जिसमें स्पष्ट पदानुक्रम, श्रम विभाजन और तर्कसंगत-कानूनी अधिकार शामिल हैं।

- **सामाजिक स्तरीकरण:** तर्क दिया गया कि सामाजिक स्तरीकरण केवल आर्थिक वर्ग पर आधारित नहीं है, बल्कि तीन घटकों के संयोजन पर आधारित है: वर्ग (आर्थिक स्थिति), स्थिति (सामाजिक प्रतिष्ठा), और पार्टी (राजनीतिक शक्ति)।
- **प्रोटेस्टेंट एथिक थीसिस:** *प्रोटेस्टेंट एथिक और कैपिटलिज्म की आत्मा* में , उन्होंने प्रस्तावित किया कि तपस्वी प्रोटेस्टेंटिज्म से जुड़े कड़ी मेहनत और मितव्ययिता के मूल्य आधुनिक पूंजीवाद के विकास में एक महत्वपूर्ण कारक थे।

3. **महत्वपूर्ण अवधारणाएं:**
   - **वेरस्टेन (व्याख्यात्मक समझ):** व्यक्तियों द्वारा अपने कार्यों से जुड़े व्यक्तिपरक अर्थों को समझने की समाजशास्त्रीय विधि।
   - **युक्तिकरण:** वह ऐतिहासिक प्रक्रिया जिसके द्वारा तर्क, दक्षता और गणनाशीलता सामाजिक जीवन पर हावी हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप नौकरशाही का उदय होता है और पारंपरिक मूल्यों का पतन होता है।
   - **लौह पिंजरा:** एक अवधारणा जो सामाजिक जीवन में अंतर्निहित बढ़ती हुई तर्कसंगतता का वर्णन करती है, जो व्यक्तियों को पूरी तरह से दक्षता, तर्कसंगत गणना और नियंत्रण पर आधारित प्रणालियों में फंसा देती है।
4. **प्रमुख पुस्तकें/कार्य:**
   - *प्रोटेस्टेंट नैतिकता और पूंजीवाद की भावना* (1905)
   - *अर्थव्यवस्था और समाज* (1922 में मरणोपरांत प्रकाशित)

- *राजनीति एक व्यवसाय के रूप में* (1919)

अमृत बुकलेट

PROFESSORS ADDA

यह क्या है, क्यों पढ़ें इसे?

- **AMRIT Booklet** को विषय की सभी प्रमुख पुस्तको से परीक्षा उपयोगी सार निकाल एक जगह **PYQ** पैटर्न पर बनाया गया है । आपको बुक्स नही पढ़नी अब.
- यह सिर्फ एक सामान्य बुकलेट नहीं, बल्कि एक **Top-Level rstudy Tool** है, जिसे विशेष रूप से उन छात्रों के लिए तैयार किया गया है जो तेज़ रिवीजन, **Exam-Time Recall** और **Concept Clarity** चाहते हैं।
- इसमें आपको मिलेगा हर जरूरी टॉपिक का "अमृत निचोड़" — यानी वही बातें जो परीक्षा में बार-बार पूछी जाती हैं।
- यह **Booklet** हर विषय के **Core Concepts, Keywords, Thinkers, Definitions** और **Chronology** को एक जगह समेटती है — और वो भी एकदम **crisp** तरीके से प्रश्न और उत्तर शैली मे ।

🧠 लाभ और विशेषताएँ:

- ✓ Super Quick Revision Tool
- ✓ Exam Time Confidence Booster
- ✓ High Retention Format –
- ✓ 100% Exam-Oriented – No Extra, No Fluff

ALL INDIA RANK

कैसे करें सर्वोत्तम उपयोग?

✅ पहले गाइड से टॉपिक का अमृत पेज पढ़ें
✅ Concepts के साथ-साथ Keywords को याद करें
✅ उसी दिन उस टॉपिक से MCQs हल करें
✅ परीक्षा से पहले सिर्फ इसी से रिवीजन करें — Time Saving, Score Boosting

T Bonus Insides

🎯 यह किनके लिए है?

- ✅ **NET / SET/ PGT**
- ✅ **Assistant Professor Candidates**
- ✅ जिन्हे समय कम है लेकिन **Result** चाहिए **Strong** और **SYLLABUS** भी पूरा हो

यह **Booklet** उन सभी के लिए है जो सिर्फ पढ़ना नहीं, "सही पढ़ना" चाहते हैं।

🔑 क्या-क्या मिलेगा इसमें?

- **One Page One Topic Format** – हर पेज पर एक पूरा टॉपिक क्लियर
- **2025** के नवीनतम बदलावों के अनुसार अपडेटेड

PROFESSORS ADDA

📦 Available in Digital PDF + Print Format

📤 अभी बुक करें | DM करें | WhatsApp करें | Link से डाउनलोड करें

sample Notes/
Expert Guidance/Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

+91 7690022111 +91 9216228788

समाज कार्य इकाई I वन-लाइनर

1. सामाजिक कार्य : परिभाषा, क्षेत्र, सिद्धांत, प्रकृति, लक्ष्य और प्रक्रिया

प्रश्न 1 : IFSW द्वारा सामाजिक कार्य की प्राथमिक परिभाषा क्या है?

A : एक अभ्यास-आधारित पेशा और एक शैक्षणिक अनुशासन जो सामाजिक परिवर्तन और विकास, सामाजिक सामंजस्य और लोगों के सशक्तिकरण और मुक्ति को बढ़ावा देता है।

प्रश्न 2 : सामाजिक कार्य का 'दायरा' क्या दर्शाता है?

A : क्षेत्रों और आबादियों की श्रेणी जहां सामाजिक कार्यकर्ता हस्तक्षेप करते हैं।

प्रश्न 3 : समाज कार्य अभ्यास को निर्देशित करने वाले एक मूल सिद्धांत का नाम बताइए।

A : व्यक्ति की अंतर्निहित गरिमा और मूल्य के प्रति सम्मान।

प्रश्न 4 : क्या सामाजिक कार्य को कला या विज्ञान माना जाता है?

A : दोनों; इसके लिए वैज्ञानिक ज्ञान और कलात्मक अनुप्रयोग की आवश्यकता होती है ।

प्रश्न 5 : सामाजिक कार्य हस्तक्षेप का मुख्य लक्ष्य क्या है?

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

A : मानव कल्याण को बढ़ाना और बुनियादी मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करना।

प्रश्न 6 : सामाजिक कार्य प्रक्रिया में पहला चरण क्या है?

A : सगाई।

प्रश्न 7 : सामाजिक कार्य प्रक्रिया में संलग्नता के बाद क्या होता है?

A : आकलन।

प्रश्न 8 : सामाजिक कार्य प्रक्रिया में तीसरा चरण क्या है?

A : हस्तक्षेप/योजना.

प्रश्न 9 : समाज कार्य प्रक्रिया का अंतिम चरण क्या है?

A : मूल्यांकन और समाप्ति.

प्रश्न 10 : सामाजिक कार्य में 'व्यक्तिकरण' का क्या अर्थ है?

A : प्रत्येक ग्राहक की अद्वितीय गुणवत्ता को पहचानना और उसकी सराहना करना ।

प्रश्न 11 : सामाजिक कार्य में 'गैर-निर्णयात्मक दृष्टिकोण' क्या है?

A : व्यक्तिगत मूल्यों को थोपे बिना ग्राहकों को उनके वास्तविक रूप में स्वीकार करना।

प्रश्न 12 : सामाजिक कार्य में 'आत्मनिर्णय' क्या है?

A : ग्राहक के स्वयं निर्णय लेने के अधिकार का सम्मान करना।

प्रश्न 13 : सामाजिक कार्य में 'गोपनीयता' क्या है?

A : ग्राहक की जानकारी को अनधिकृत प्रकटीकरण से बचाना।

प्रश्न 14 : 'भावनाओं की उद्देश्यपूर्ण अभिव्यक्ति' क्या है?

A : ग्राहकों को अपनी भावनाओं को स्वतंत्र एवं सुरक्षित रूप से व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना।

प्रश्न 15 : 'नियंत्रित भावनात्मक सहभागिता' सिद्धांत क्या है?

A : अति-पहचान के बिना सामाजिक कार्यकर्ता की सहानुभूति और संवेदनशीलता।

प्रश्न 16 : सामाजिक कार्य में 'स्वीकृति' सिद्धांत क्या है?

A : ग्राहक को उसके वास्तविक स्वरूप में समझना और उसका सम्मान करना, जिसमें उसकी ताकत और कमजोरियां भी शामिल हैं।

प्रश्न 17 : समाज कार्य की 'प्रकृति' उसके दृष्टिकोण के बारे में क्या संकेत देती है?

A : यह समग्र, व्यक्ति-पर्यावरण केन्द्रित, तथा शक्ति-आधारित है।

प्रश्न 18 : सामाजिक कार्य में सामाजिक न्याय से संबंधित एक प्रमुख लक्ष्य क्या है?

A : उत्पीड़न को चुनौती देना और गुणवत्ता को बढ़ावा देना ।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

प्रश्न 19 : सामाजिक कार्य में 'पारिस्थितिक परिप्रेक्ष्य' क्या है?

A : व्यक्तियों को उनके जटिल वातावरण में समझना।

प्रश्न 20 : सामाजिक कार्य में 'शक्ति परिप्रेक्ष्य' क्या है?

A : घाटे के बजाय ग्राहक की परिसंपत्तियों और क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित करना।

प्रश्न 21 : 'सूक्ष्म' सामाजिक कार्य अभ्यास का प्राथमिक फोकस क्या है?

A : व्यक्ति और परिवार।

प्रश्न 22 : 'मेज़ो' सामाजिक कार्य अभ्यास का प्राथमिक फोकस क्या है?

A : छोटे समूह और स्थानीय संगठन।

प्रश्न 23 : 'मैक्रो' सामाजिक कार्य अभ्यास का प्राथमिक फोकस क्या है?

A : समुदाय और सामाजिक नीति.

प्रश्न 24 : सामाजिक कार्य में वकालत क्या है?

A : ग्राहकों के अधिकारों या सेवाओं को सुरक्षित करने के लिए उनकी ओर से कार्य करना।

प्रश्न 25 : सामाजिक कार्य में सामाजिक क्रियाशीलता क्या है?

A : किसी व्यक्ति की अपने पर्यावरण के साथ प्रभावी ढंग से अंतःक्रिया करने की क्षमता।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

प्रश्न 26 : सामाजिक कार्य में 'समस्या समाधान' मॉडल क्या है?

A : ग्राहकों को समस्याओं की पहचान करने और उन्हें हल करने में मदद करने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण।

प्रश्न 27 : सामाजिक कार्य में सहानुभूति की क्या भूमिका है?

A : दूसरे की भावनाओं को समझना और साझा करना।

प्रश्न 28 : एक सामाजिक कार्यकर्ता की ग्राहक के साथ विश्वास बनाने की क्षमता को क्या कहा जाता है?

A : तालमेल.

प्रश्न 29 : सामाजिक कार्य में 'सशक्तिकरण' की अवधारणा क्या है?

A : ग्राहकों को अपने जीवन और पर्यावरण पर नियंत्रण पाने में सहायता करना।

प्रश्न 30 : सामाजिक कार्य में नैतिक दुविधा क्या है?

A : ऐसी स्थिति जहाँ दो या अधिक नैतिक सिद्धांतों में टकराव होता है।

प्रश्न 31 : 'व्यावसायिक सीमाओं' का क्या महत्व है?

A : सामाजिक कार्यकर्ता-ग्राहक संबंध में उचित सीमाएं बनाए रखना।

प्रश्न 32 : सामाजिक कार्य में 'सांस्कृतिक क्षमता' क्या है?

A : विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझना और उनका सम्मान करना।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

प्रश्न 33 : सामाजिक कार्य में 'साक्ष्य-आधारित अभ्यास' क्या है?

A : हस्तक्षेपों का मार्गदर्शन करने के लिए अनुसंधान निष्कर्षों का उपयोग करना।

प्रश्न 34 : सामाजिक कार्य में 'पर्यवेक्षण' की क्या भूमिका है?

A : सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए व्यावसायिक मार्गदर्शन और सहायता।

प्रश्न 35 : सामाजिक कार्य व्यवहार में 'प्रतिबिंब' क्या है?

A : अपने स्वयं के अभ्यास और उसके प्रभाव के बारे में आलोचनात्मक सोच।

प्रश्न 36 : सामाजिक कार्य में 'प्रणाली सिद्धांत' परिप्रेक्ष्य क्या है?

A : व्यक्तियों को परस्पर संबद्ध प्रणालियों के भाग के रूप में देखना।

प्रश्न 37 : 'पर्यावरण में व्यक्ति' अवधारणा क्या है?

A : व्यक्तियों की अपने परिवेश के साथ अंतःक्रिया को समझना।

प्रश्न 38 : सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए 'जवाबदेही' का क्या अर्थ है?

A : अपने कार्यों और निर्णयों के लिए जिम्मेदार होना।

प्रश्न 39 : सामाजिक कार्य में 'दस्तावेजीकरण' की क्या भूमिका है?

A : ग्राहक की जानकारी, मूल्यांकन और हस्तक्षेप रिकॉर्ड करना।

प्रश्न 40 : सामाजिक कार्य में 'रेफरल' क्या है?

A : ग्राहकों को उपयुक्त संसाधनों या सेवाओं के लिए मार्गदर्शन देना।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

प्रश्न 41 : सामाजिक कार्य में 'केस प्रबंधन' क्या है?

A : जटिल आवश्यकताओं वाले ग्राहकों के लिए सेवाओं का समन्वय करना।

प्रश्न 42 : सामाजिक कार्य में 'समूह कार्य' क्या है?

A : समूह अंतःक्रिया के माध्यम से परिवर्तन को सुगम बनाना।

प्रश्न 43 : सामाजिक कार्य में 'सामुदायिक संगठन' क्या है?

A : सामान्य मुद्दों के समाधान के लिए समुदायों को संगठित करना।

प्रश्न 44 : सामाजिक कार्य में 'सामाजिक नीति' क्या है?

A : सामाजिक स्थितियों में सुधार के लिए बनाए गए कानून और कार्यक्रम।

प्रश्न 45 : सामाजिक कार्य का 'अधिदेश' क्या है?

A : सामाजिक समस्याओं का समाधान करना और मानव कल्याण को बढ़ावा देना।

प्रश्न 46 : सामाजिक कार्य का 'दोहरा फोकस' क्या है?

A : व्यक्ति और उसके पर्यावरण दोनों पर।

प्रश्न 47 : सामाजिक कार्य के संदर्भ में 'लचीलापन' क्या है?

A : विपत्ति से उबर पाने की क्षमता।

प्रश्न 48 : सामाजिक कार्य में 'भेद्यता' क्या है?

A : हानि या असुविधा के प्रति संवेदनशीलता।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

प्रश्न 49 : सामाजिक कार्य में 'अंतःविषय सहयोग' क्या है?

A : अन्य क्षेत्रों के पेशेवरों के साथ काम करना।

प्रश्न 50 : सामाजिक कार्य में 'सामान्यवादी अभ्यास' मॉडल क्या है?

A : विविध ग्राहक प्रणालियों के साथ काम करने के लिए व्यापक कौशल का उपयोग करना।

2. ऐतिहासिक विकास : दुनिया भर में व्यावसायिक सामाजिक कार्य का विकास (यूके, यूएसए और भारत)

प्रश्न 51 : किस देश को सामाजिक कार्य के लिए सबसे पहले संगठित दान प्रयासों का श्रेय दिया जाता है?

A : यूनाइटेड किंगडम (यूके)।

प्रश्न 52 : इंग्लैंड में 'गरीब कानून' मुख्य रूप से क्या करने के लिए बनाए गए थे?

A : गरीबी को नियंत्रित करें और राहत प्रदान करें।

प्रश्न 53 : इंग्लैंड में एलिजाबेथन गरीब कानून कब लागू किया गया था?

A : 1601.

प्रश्न 54 : इंग्लैंड में 1834 के गरीब कानून संशोधन अधिनियम की एक प्रमुख विशेषता क्या थी?

A : कार्यशालाओं की स्थापना और कम पात्रता सिद्धांत।

प्रश्न 55 : धर्मार्थ प्रयासों के समन्वय के लिए 1869 में यू.के. में कौन सा संगठन उभरा?

A : चैरिटी ऑर्गनाइजेशन सोसाइटी (सीओएस)।

प्रश्न 56 : यू.के. में सी.ओ.एस. से जुड़े एक प्रमुख व्यक्ति कौन थे, जिन्होंने 'मैत्रीपूर्ण मुलाकात' की वकालत की?

A : मैरी रिचमंड (हालांकि संयुक्त राज्य अमेरिका में अधिक प्रसिद्ध है, COS की उत्पत्ति ब्रिटेन में हुई थी)।

प्रश्न 57 : ब्रिटेन में किस आंदोलन ने समुदाय आधारित जीवन के माध्यम से सामाजिक सुधार पर ध्यान केंद्रित किया?

A : सेटलमेंट हाउस आंदोलन.

58 : लंदन में पहला सेटलमेंट हाउस, टॉयनबी हॉल, कब स्थापित किया गया था?

A : 1884.

59 : टॉयनबी हॉल की स्थापना किसने की?

A : सैमुअल बार्नेट.

प्रश्न 60 : सेटलमेंट हाउस आंदोलन का प्राथमिक उद्देश्य क्या था?

A : सामाजिक वर्गों के बीच की खाई को पाटना और गरीबी के मूल कारणों का समाधान करना।

प्रश्न 61 : ब्रिटेन में सामाजिक कल्याण पर औद्योगिक क्रांति का क्या प्रभाव पड़ा?

A : गरीबी, शहरीकरण और सामाजिक समस्याओं में वृद्धि के कारण संगठित राहत की आवश्यकता हुई।

प्रश्न 62 : द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन में किस रिपोर्ट ने आधुनिक कल्याणकारी राज्य की नींव रखी?

A : बेवरिज रिपोर्ट (1942)।

प्रश्न 63 : संयुक्त राज्य अमेरिका में पहला COS कब आया?

A : 1877 (बफ़ेलो, न्यूयॉर्क में)।

प्रश्न 64 : अमेरिकी सी.ओ.एस. में वैज्ञानिक दान और केसवर्क पर जोर देने वाला प्रमुख व्यक्ति कौन था?

A : मैरी रिचमंड.

प्रश्न 65 : सामाजिक केसवर्क पर मैरी रिचमंड की मौलिक पुस्तक क्या थी?

A : सामाजिक निदान (1917).

66 : प्रसिद्ध अमेरिकी सेटलमेंट हाउस, हल हाउस की स्थापना कब हुई थी?

A : 1889.

67 : शिकागो में हल हाउस की सह-स्थापना किसने की?

A : जेन एडम्स और एलेन गेट्स स्टार।

68 : संयुक्त राज्य अमेरिका में सेटलमेंट हाउस आंदोलन का केंद्र क्या था?

A : सामाजिक सुधार, सामुदायिक विकास, तथा आप्रवासियों और गरीबों के लिए वकालत।

69 : संयुक्त राज्य अमेरिका में किस प्रमुख आर्थिक घटना के कारण सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों का महत्वपूर्ण विस्तार हुआ?

A : महामंदी (1929).

70 : 1935 में किस अमेरिकी कानून ने सामाजिक सुरक्षा जैसे प्रमुख सामाजिक कल्याण कार्यक्रम स्थापित किये?

A : सामाजिक सुरक्षा अधिनियम.

71 : संयुक्त राज्य अमेरिका में औपचारिक सामाजिक कार्य शिक्षा कब शुरू हुई?

A : 19वीं सदी के अंत/20वीं सदी के प्रारंभ (उदाहरणार्थ, न्यूयॉर्क स्कूल ऑफ फिलैंथ्रोपी, 1898)।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

72 : व्यावसायिकरण से पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में सामाजिक कार्य का प्रारंभिक फोकस क्या था?

A : परोपकार और दान.

73 : संयुक्त राज्य अमेरिका में सामाजिक कार्य के प्रारंभिक विकास में महिलाओं की क्या भूमिका थी?

A : वे सी.ओ.एस. और सेटलमेंट हाउस दोनों आंदोलनों के केंद्र में थे।

74 : किस प्रमुख युद्ध के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में दिग्गजों के लिए मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक सेवाओं पर अधिक ध्यान दिया गया?

A : प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध।

75 : भारत में सामाजिक कल्याण की पूर्व-औपनिवेशिक पारंपरिक प्रणाली क्या थी?

A : संयुक्त परिवार प्रणाली, जाति व्यवस्था, धार्मिक दान (धर्मशाला, आश्रम)।

76 : भारत में पारंपरिक कल्याण प्रणालियों पर ब्रिटिश शासन का क्या प्रभाव पड़ा?

A : पारंपरिक प्रणालियों का क्षरण, गरीबी में वृद्धि, तथा पश्चिमी धर्मार्थ मॉडलों का उदय।

77 : भारत में समाज कार्य का पहला औपचारिक विद्यालय कब स्थापित किया

गया था?

A : 1936.

78 : भारत में प्रथम समाज कार्य विद्यालय का मूल नाम क्या था?

A : सर दोराबजी टाटा ग्रेजुएट स्कूल ऑफ सोशल वर्क।

79 : सर दोराबजी टाटा ग्रेजुएट स्कूल ऑफ सोशल वर्क का वर्तमान नाम क्या है?

A : टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टीआईएसएस), मुंबई।

80 : भारत में प्रथम समाज कार्य विद्यालय की स्थापना में किसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी?

A : डॉ. क्लिफोर्ड मैन्शाड्र्ट.

81 : भारत में सामाजिक कार्य शिक्षा का प्रारंभिक फोकस क्या था?

A : औद्योगिक कल्याण और शहरी गरीबी।

82 : भारतीय सामाजिक कार्य विद्यालय संघ (IASWS) का गठन कब हुआ?

A : 1959.

83 : भारत की स्वतंत्रता का सामाजिक कार्य विकास पर क्या प्रभाव पड़ा?

A : नियोजित विकास, सामाजिक न्याय और कल्याणकारी राज्य सिद्धांतों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा।

84 : भारतीय सामाजिक कल्याण में पंचवर्षीय योजनाओं का क्या महत्व है?

A : सामाजिक विकास कार्यक्रमों और नीतियों का मार्गदर्शन किया।

85 : भारत में प्रारंभिक सामाजिक कल्याण में ईसाई मिशनरियों की क्या भूमिका है?

A : स्कूल, अस्पताल और अनाथालय स्थापित किये।

86 : भारत में 'भूदान आंदोलन' किससे संबंधित था?

A : भूमि सुधार और सामाजिक न्याय।

87 : भारत में 'सर्वोदय आंदोलन' क्या था?

A : महात्मा गांधी और विनोबा भावे द्वारा समर्थित 'सभी के कल्याण' का दर्शन।

88 : भारत के संविधान का सामाजिक कल्याण पर क्या प्रभाव पड़ा?

A : सामाजिक न्याय, गुणवत्ता और कल्याण के लिए निर्देश प्रदान किए गए ।

89 : भारत में केंद्रीय समाज कल्याण बोर्ड (CSWB) की स्थापना कब की गई थी?

A : 1953.

90 : सीएसडब्ल्यूबी की प्राथमिक भूमिका क्या है?

A : स्वैच्छिक सामाजिक कल्याण संगठनों को बढ़ावा देना।

91 : भारत में 'सामुदायिक विकास कार्यक्रम' (1952) का क्या महत्व था?

A : ग्रामीण उत्थान और स्व-सहायता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

92 : भारत में शुरू की गई 'एकीकृत बाल विकास सेवा' (आईसीडीएस) योजना क्या थी?

A : 1975.

93 : भारत में सामाजिक कार्य पर वैश्वीकरण का क्या प्रभाव पड़ा?

A : नई चुनौतियाँ (प्रवासन, आर्थिक असमानताएँ) और अवसर (अंतर्राष्ट्रीय सहयोग)।

94 : समकालीन भारतीय सामाजिक कार्य में गैर सरकारी संगठनों की क्या भूमिका है?

A : सेवा वितरण, वकालत और सामुदायिक विकास में महत्वपूर्ण।

95 : सामाजिक कार्य में 'दान' से 'अधिकार-आधारित' दृष्टिकोण की ओर ऐतिहासिक बदलाव क्या है?

A : दया के आधार पर सहायता प्रदान करने से आगे बढ़कर मानवाधिकारों के आधार पर अधिकार सुनिश्चित करना।

96 : सामाजिक कार्य के ऐतिहासिक संदर्भ में 'निपटान' दृष्टिकोण क्या था?

A : गरीबों के बीच रहकर उनकी जरूरतों को समझना और उनका समाधान करना।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

97 : सामाजिक कार्य के ऐतिहासिक संदर्भ में 'केसवर्क' दृष्टिकोण क्या था?

A : वैज्ञानिक मूल्यांकन के आधार पर व्यक्तिगत सहायता।

98 : सामाजिक कार्य के ऐतिहासिक संदर्भ में 'समूह कार्य' दृष्टिकोण क्या था?

A : व्यक्तिगत और सामाजिक परिवर्तन के लिए समूह गतिशीलता का उपयोग करना।

99 : सामाजिक कार्य के ऐतिहासिक संदर्भ में 'सामुदायिक संगठन' दृष्टिकोण क्या था?

A : समुदायों को सामूहिक रूप से अपनी समस्याओं का समाधान करने के लिए सशक्त बनाना।

100 : समाज कार्य के इतिहास में 'सामाजिक सुधार' युग का क्या महत्व है?

A : प्रणालीगत मुद्दों की पहचान करके पेशेवर हस्तक्षेप के लिए आधार तैयार किया।

All Subject's Complete Study Material KIT available.
Professor Adda Call WhatsApp Now 7690022111 / 9216228788

TESTIMONIALS

Nikita Sharma
UGC NET (PAPER 1)
Delhi

"The premium course by Professors Adda gave me everything in one place – structured notes, MCQ banks, PYQs, and trend analysis. The way it was aligned with the syllabus helped me stay organized and confident."

Ravindra Yadav
UGC NET (Commerce)
Jaipur

"Joining the premium group was the best decision I made. The daily quiz challenges, mentor guidance, and focused discussions kept me disciplined and exam-ready."

Priya Mehta
UGC NET (Education)
Banglore

"Professors Adda's study course is like a personal roadmap to success. The live sessions and targeted revision plans were crucial in helping me clear my exam on the first attempt."

Swati Verma
UGC NET (English Literature)
Kolkata

"What makes the Professors Adda premium course unique is the combination of high-quality content and a dedicated support group. It kept me motivated and accountable throughout."

Aman Joshi
UGC NET (Sociology)
Prajagraj

"The premium group gave me access to serious aspirants and mentors who guided me every step of the way. The peer learning, doubt sessions, and motivation from the group were unmatched."

Riya Sharma
UGC NET (Psychology)
Hyderabad

"What really kept me going was the constant encouragement from Professors Adda's mentors. Their support helped me stay motivated even when I felt overwhelmed by the syllabus."

Anjali Singh
UGC NET (Political Science)
Indore

"Professors Adda taught me that smart preparation is as important as hard work. Their strategic study plans and motivational talks made all the difference in my success."

Aditya Verma
UGC NET (History)
Guwahati

"The institute not only provides excellent study resources but also builds your confidence. The motivational sessions helped me overcome exam anxiety and keep a positive mindset."

*IMAGES ARE IMAGINARY

+91 7690022111+91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

GET BEST SELLER HARD COPY NOTES

PROFESSORS ADDA

CLICK HERE TO GET

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA
Trusted By Toppers

Our Toppers

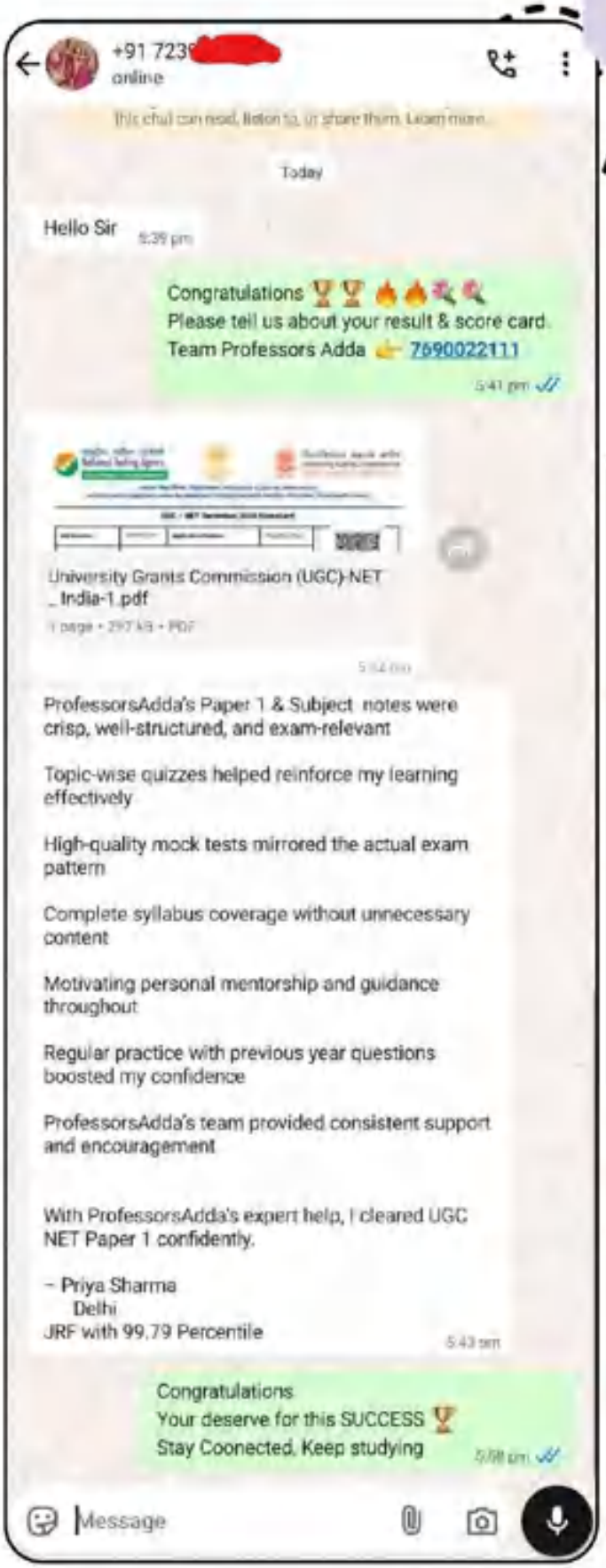

📞 +91 7690022111 +91 9216228788

TESTIMONIALS

Nikita Sharma
UGC NET (PAPER 1)
Delhi

"The premium course by Professors Adda gave me everything in one place – structured notes, MCQ banks, PYQs, and trend analysis. The way it was aligned with the syllabus helped me stay organized and confident."

Ravindra Yadav
UGC NET (PAPER 1)
Jaipur

"Joining the premium group was the best decision I made. The daily quiz challenges, mentor guidance, and focused discussions kept me disciplined and exam-ready."

Priya Mehta
UGC NET (PAPER 1)
Banglore

"Professors Adda's study course is like a personal roadmap to success. The live sessions and targeted revision plans were crucial in helping me clear my exam on the first attempt."

Swati Verma
UGC NET (PAPER 1)
Kolkata

"What makes the Professors Adda premium course unique is the combination of high-quality content and a dedicated support group. It kept me motivated and accountable throughout."

Aman Joshi
UGC NET (PAPER 1)
Prajagraj

"The premium group gave me access to serious aspirants and mentors who guided me every step of the way. The peer learning, doubt sessions, and motivation from the group were unmatched."

Riya Sharma
UGC NET (PAPER 1)
Hyderabad

"What really kept me going was the constant encouragement from Professors Adda's mentors. Their support helped me stay motivated even when I felt overwhelmed by the syllabus."

Anjali Singh
UGC NET (PAPER 1)
Indore

"Professors Adda taught me that smart preparation is as important as hard work. Their strategic study plans and motivational talks made all the difference in my success."

Aditya Verma
UGC NET (PAPER 1)
Guwahati

"The institute not only provides excellent study resources but also builds your confidence. The motivational sessions helped me overcome exam anxiety and keep a positive mindset."

*IMAGES ARE IMAGINARY

+91 7690022111+91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

Our Toppers

+91 7690022111+91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

Professors Adda UGC NE

87162 members, 2123 online

Pinned Message

Offer 💐 UGC –NET / JRF ASST PROFESSO...

2478 join requests

ProfessorsAdda NET JRF

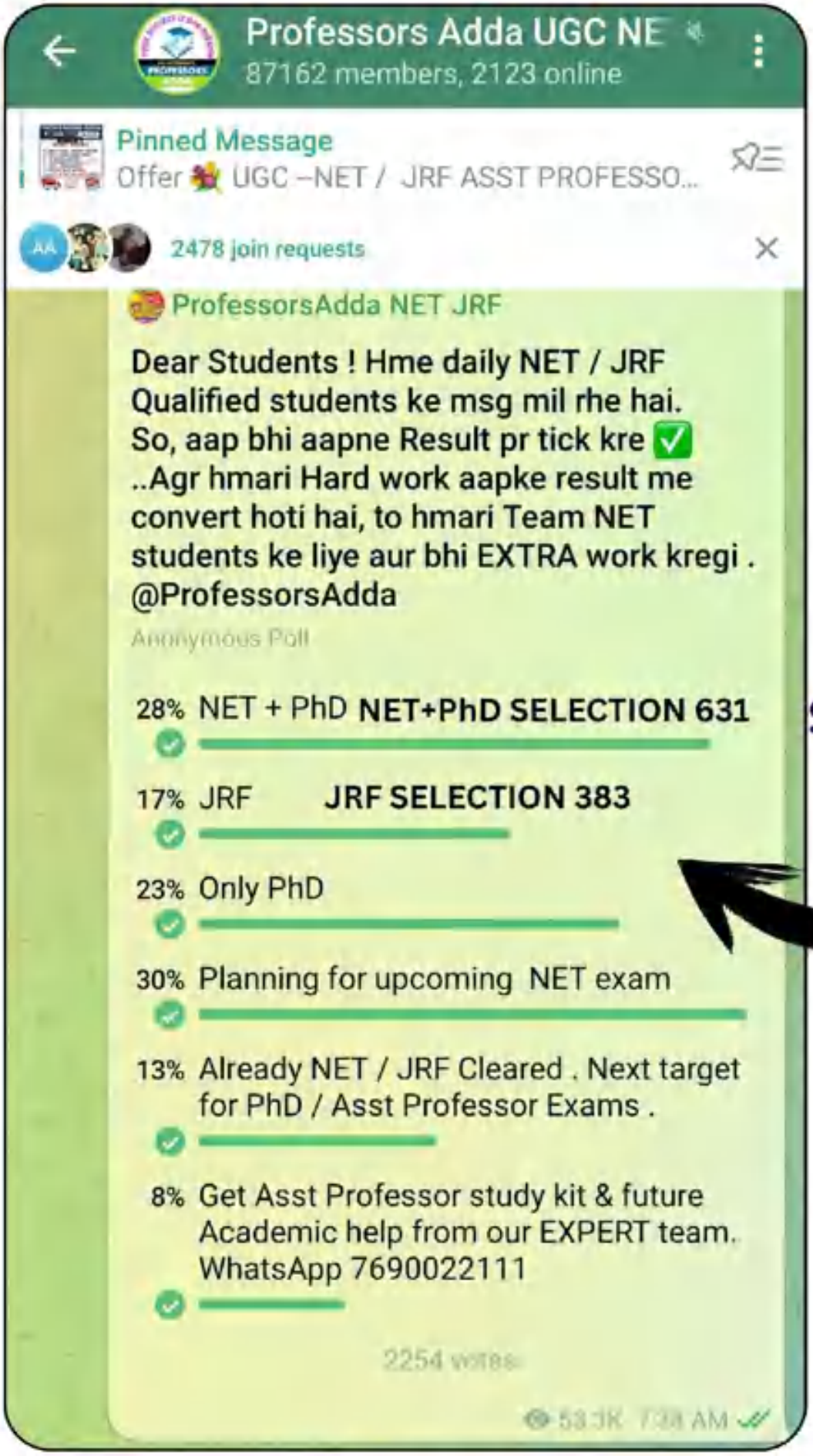

Dear Students ! Hme daily NET / JRF Qualified students ke msg mil rhe hai. So, aap bhi aapne Result pr tick kre ✅ ..Agr hmari Hard work aapke result me convert hoti hai, to hmari Team NET students ke liye aur bhi EXTRA work kregi . @ProfessorsAdda

Anonymous Poll

28% NET + PhD **NET+PhD SELECTION 631**

17% JRF **JRF SELECTION 383**

23% Only PhD

30% Planning for upcoming NET exam

13% Already NET / JRF Cleared . Next target for PhD / Asst Professor Exams .

8% Get Asst Professor study kit & future Academic help from our EXPERT team. WhatsApp 7690022111

2254 votes

53.3K 7:38 AM

OUR UGC NET SELECTION RESULTS

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA
Trusted By Toppers

Exclusive English GROUP

INDIA'S NO 1 UGC NET GROUP

CLICK HERE TO JOIN

+91 7690022111 +91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

OUR UGC NET SELECTION RESULTS

MANY MORE SELECTION

+91 7690022111+91 9216228788

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

BOOK YOUR HARD COPY
COMPLETE STUDY PACKAGE

Hurry! Limited copies remaining—get yours before they're gone.

- 10 Unit Theory Notes
- Unit Wise MCQ Bank
- Latest 10 YEAR PYQ
- Model Papers
- One Liner Quick Revision Notes
- Premium Group Membership

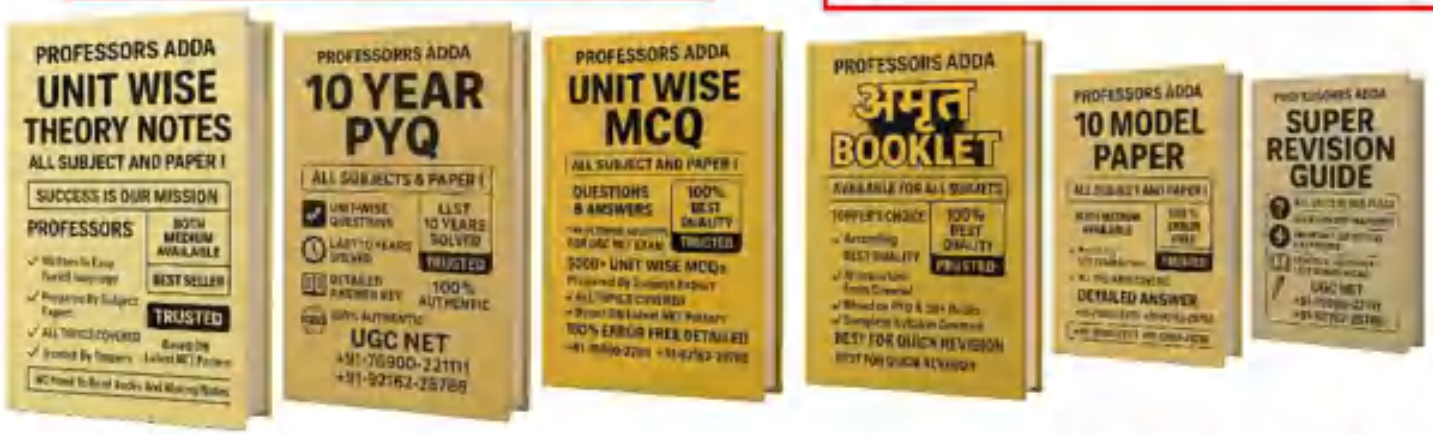

FREE sample Notes/
Expert Guidance /Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

91-76900-22111

PROFESSORS ADDA

Trusted By Toppers

BOOK YOUR HARD COPY
COMPLETE STUDY PACKAGE

Hurry! Limited copies remaining—get yours before they're gone.

NEW PRODUCT

- 10 Unit Theory Notes
- Unit Wise MCQ Bank
- Latest PYQ
- Model Papers
- One Liner Quick Revision Notes
- Premium Group Membership

FREE sample Notes/
Expert Guidance /Courier Facility Available

Download PROFESSORS ADDA APP

91-76900-22111

OUR ALL PRODUCTS

NEW PRODUCT

CLICK HERE

NEW PRODUCT

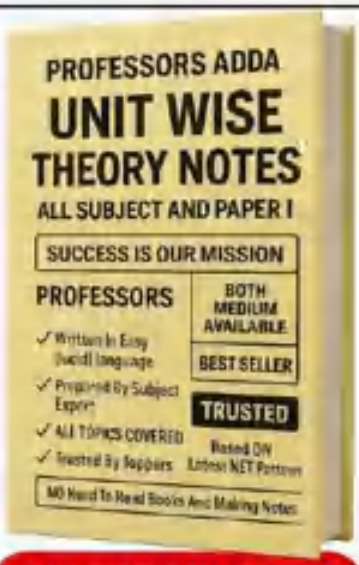

CLICK HERE

NEW PRODUCT

CLICK HERE

NEW PRODUCT

CLICK HERE

NEW PRODUCT

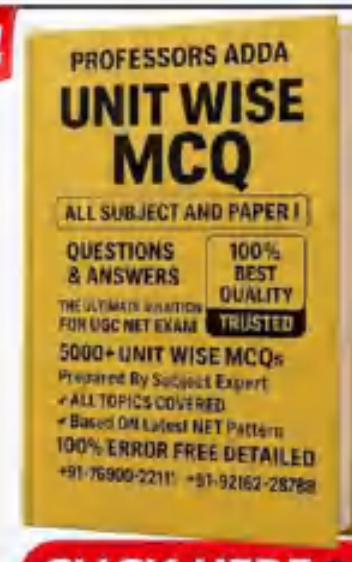

CLICK HERE

NEW PRODUCT

CLICK HERE

+91 7690022111+91 9216228788